शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 282 | गुवाहाटी | मंगलवार, 19 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आतंकवाद को जड़ से खत्म करना भारत-नॉर्वे की साझा प्रतिबद्धता : मोदी — पेज 2
प्रधानमंत्री के नीदरलैंड, स्वीडन और यूएई दौरे से भारत को मिला प्रगति का ... — पेज 3
नीट परीक्षा का रद्द होना देश के लाखों युवाओं से छल : दिग्विजय चौटाला — पेज 5
द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : सौलव गांगुली — पेज 7

प्रधानमंत्री को नॉर्वे का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट के ग्रैंड क्रॉस से सम्मानित किया गया। यह प्रधानमंत्री को प्राप्त हुआ 32वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट का ग्रैंड क्रॉस नॉर्वे का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, जिसकी स्थापना 1985 में राजा ओलाव पंचम ने की थी। यह पुरस्कार विदेशी और नॉर्वेजियन नागरिकों को नॉर्वे और मानवता के हित में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के मुसलमानों ने प्रस्तावित यूसीसी का किया स्वागत

गुवाहाटी। असम समान नागरिक संहिता लागू करने वाला चौथा भारतीय राज्य बनने जा रहा है, ऐसे में असमिया मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने सरकार के इस कदम का समर्थन करते हुए कहा है कि वे एक संतुलित, प्रगतिशील और समावेशी कानूनी ढांचे की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो समानता, एकरूपता और न्याय के सिद्धांतों का सम्मान करता हो। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि प्रस्तावित विधेयक, जिसमें मुख्य रूप से चार विषयों – विवाह की न्यूनतम आयु, बहुविवाह पर प्रतिबंध, माता-पिता की संपत्ति में बेटियों के समान अधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित मामले – को शामिल किया जाएगा, 26 मई को विधानसभा में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि अनुसूचित जनजाति और आदिवासी समुदायों के रीति-रिवाजों की पूरी तरह से रक्षा करते हुए व्यक्तिगत कानूनों के लिए एक एकीकृत प्रणाली स्थापित करके, यूसीसी महिलाओं के अधिकारों के स्पष्ट रखरखाव को सुदृढ़ करेगा, बाल कल्याण की गारंटी देगा और पूरे राज्य में कानूनी अखंडता को मजबूत करेगा। जोरहाट के जेबी कॉलेज के पूर्व उप-प्रधानाचार्य नूरुल अमीन ने कहा कि असम के प्रस्तावित यूसीसी विधेयक पर तब तक टिप्पणी करना मुश्किल है जब तक कि विधेयक की पूरी सामग्री सार्वजनिक नहीं हो जाती, फिर भी मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए संकेत से यह उम्मीद की जाती है कि यूसीसी के प्रावधान असम के मुसलमानों सहित पूरे समाज के लिए लाभकारी होंगे। अमीन ने बताया कि इस्लाम में बिना शादी के लिव-इन रिलेशनशिप कभी जायज नहीं रहा है। इसलिए, ऐसे कृत्यों को विनियमित या प्रतिबंधित करना बेहद स्वागत योग्य है। बाल विवाह और बहुविवाह पर रोक लगाना समय की मांग है और ये कृत्य, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म वो आईना है, जो हमारा स्वरूप हमें दिखा देता है। अतः हमें कर्म का एहसानमंद होना चाहिए।

-विनोबा भावे

अचानक हुई मूल्य वृद्धि पर सरकार सख्त

मुख्यमंत्री ने लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी

गुवाहाटी। राज्य भर में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच, असम सरकार ने उन दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ व्यापार लाइसेंस रद्द करने सहित सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं, जो असामान्य कीमतें वसूल रहे हैं। यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा सोमवार को आवश्यक वस्तुओं के लिए राज्य की मूल्य निगरानी व्यवस्था की समीक्षा करने और अधिकारियों को बाजार स्थिरता सुनिश्चित करने और अनुचित मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए निगरानी तेज करने का निर्देश देने के बाद लिया गया। हमारी सरकार और प्रशासन बाजार पर कड़ी नजर रख रहे हैं और किसी भी तरह की अनुचित मूल्य वृद्धि बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैंने हर जिले के अधिकारियों को वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखने और किसी भी चूककर्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। समीक्षा बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर उपायुक्त के नेतृत्व वाली जिला निगरानी समितियों को अगले तीन से चार दिनों के भीतर बैठक करने और स्थानीय बाजारों में असामान्य मूल्य निर्धारण के मामलों की पहचान करने के लिए गहन जमीनी स्तर की निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला प्रशासनों को वाणिज्य मंडलों और व्यापार निकायों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने का भी निर्देश दिया ताकि वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव की बारीकी से निगरानी की जा सके और व्यापारियों के साथ समन्वय बनाए रखा जा सके। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश में, शर्मा ने उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए असम भर की सभी दुकानों और थोक प्रतिष्ठानों पर खुदरा और थोक कीमतों को प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया। मुख्यमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर वितरण में दोहराव को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों के आधार कार्ड को शीघ्रता से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। राज्य सरकार का यह हस्तक्षेप हाल ही में ईंधन की कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद दैनिक आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हुई वृद्धि को लेकर बढ़ते जन आक्रोश के बीच आया है। गुवाहाटी के एक दुकानदार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में कई वस्तुओं की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। आज के नए स्टॉक की कीमतों में 10 से 20 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। दो दिन पहले एक अंडे की ट्रे की कीमत 180 रुपए थी। हमें यह भी पता चला है कि ब्रेड की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है, दुकानदार ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि खरीद लागत में वृद्धि के कारण व्यापारियों को भी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हमें सामान खरीदने में कठिनाई हो रही है, क्योंकि निवेश की जरूरत बढ़ गई है। ग्राहक अक्सर संशोधित कीमतें देखकर हमसे सवाल करते हैं। लोगों की क्रय क्षमता भी कम हो गई है, क्योंकि वे केवल आवश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस में नेता प्रतिपक्ष को लेकर कांग्रेस में घमासान, वाजेद अली चौधरी ने ठोका दावा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद प्रदेश कांग्रेस की अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर पार्टी के भीतर खींचतान तेज हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक वाजेद अली चौधरी ने खुलकर इस पद पर अपना दावा ठोकते हुए कहा है कि अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर उन्हें ही नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना चाहिए। वाजेद अली चौधरी ने कहा कि मैं कांग्रेस का अनुभवी विधायक हूं, इसलिए मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस से मुस्लिम विधायक बनकर जीतना कोई अपराध नहीं हो सकता। उनके इस बयान को कांग्रेस पर लग रहे *मुस्लिम दल* बनने के आरोपों के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। विधानसभा में 19 विधायकों के साथ विपक्ष की सीट पर बैठी कांग्रेस अब तक अपने नवनिर्वाचित विधायकों -शेष पृष्ठ दो पर

वित्त मंत्रालय ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को इवी के इस्तेमाल का दिया निर्देश

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों से मितव्ययिता उपाय अपनाने तथा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का सोमवार को आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद यह कदम उठाया गया है। मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को टालने आदि जैसे उपाय अपनाने की पिछले सप्ताह अपील की थी। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार लोगों को पश्चिम एशिया संकट के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने का प्रयास कर रही है। वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग -शेष पृष्ठ दो पर

अजान के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर लगे रोक

भाजपा विधायक दिगंद कलिता ने की मांग

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के कमलपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक और भाजपा नेता दिगंता कलिता ने सोमवार को अजान के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इसकी आवाज से असम विधानसभा और एमएलए आवास के आस-पास के इलाके में परेशानी हो रही है। कलिता ने कहा कि मैं अजान के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन लाउडस्पीकर का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। मैं पिछले पांच सालों से यहां एमएलए आवास में रह रहा हूं, और सुबह से शाम तक विधानसभा और एमएलए -शेष पृष्ठ दो पर

फेसबुक पर कारोबारी व ठेकेदार बनकर युवती से हड़पे 10 लाख रुपए, गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। असम में ऑनलाइन ठगी का एक और मामला सामने आया है। कभी खुद को प्रतिष्ठित कारोबारी, तो कभी ठेकेदार अथवा अधिकारी बताकर सोशल मीडिया पर लोगों को जाल में फंसाने वाले एक कथित ठग को बरपेटा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान धर्मेश्वर राय उर्फ जीतू राय के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने फेसबुक पर फर्जी पहचान बनाकर एक युवती से संपर्क स्थापित किया और धीरे-धीरे विश्वास जीतने के बाद विभिन्न बहानों से उससे करीब 10 लाख रुपए ठग लिये। मामले की शिकायत मिलने के बाद बरपेटा पुलिस ने जांच शुरू की और अभियान चलाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धर्मेश्वर राय के खिलाफ राज्य के विभिन्न थानों में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत 22 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से सोशल मीडिया पर अलग-अलग फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

राजेन गोहाई ने असोम जातीय परिषद से दिया इस्तीफा

गुवाहाटी। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहाई ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए असम जातीय परिषद (एजेपी) से इस्तीफा दे दिया है, जिससे क्षेत्रीय पार्टी के साथ उनका संक्षिप्त जुड़ाव समाप्त हो गया है। एजेपी के अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई को संबोधित एक पत्र में, गोहाईं ने पार्टी की *प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों और जिम्मेदारियों* से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने के अपने निर्णय की घोषणा की। इस पत्र के माध्यम से, मैं, राजेन गोहाईं, व्यक्तिगत कारणों से तत्काल प्रभाव से असम जातीय परिषद की प्राथमिक सदस्यता और -शेष पृष्ठ दो पर

टेम्पो-कंटेनर की टक्कर में 11 लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिल में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर एक टेम्पो और कंटेनर ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। धानीवरी क्षेत्र में बारातियों से भरे एक ट्रक और तेज रफ्तार टेम्पो कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सड़क पर लाशें बिछ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। तत्काल हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में ईंधन की आपूर्ति सामान्य है, जनता से घबराकर खरीदारी न करने का आग्रह : मंत्रालय

गुवाहाटी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि असम में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सहित सभी पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से आग्रह किया कि वे घबराकर खरीदारी न करें। एक बयान में, मंत्रालय ने कहा कि असम में तेल उद्योग के लिए राज्य स्तरीय समन्वयक, जो इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक और राज्य प्रमुख भी हैं, ने पुष्टि की है कि राज्य भर में आवश्यक पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता स्थिर और निर्बाध बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) सहित सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां सभी आपूर्ति स्थलों पर पर्याप्त ईंधन भंडार बनाए हुए हैं। जनता से निश्चिंत रहने और सामान्य उपभोग जारी रखने का अनुरोध किया जाता है, तथा घबराहट में खरीदारी से बचें। उपभोक्ताओं को सलाह -शेष पृष्ठ दो पर

शुभेंदु सरकार का बड़ा फैसला

ममता की चलाई मजहब आधारित योजनाएं जून से होंगी बंद

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सोमवार को बड़ा नीतिगत फैसला लेते हुए राज्य में मजहब आधारित सभी सरकारी कल्याण योजनाओं को जून महीने से बंद करने की घोषणा की। यह निर्णय नवान्न में आयोजित नई सरकार की दूसरी मंत्रिमंडल बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद महिला एवं बाल विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने प्रेसवार्ता में बताया कि सूचना एवं संस्कृति विभाग तथा अल्पसंख्यक कार्य एवं मदरसा शिक्षा विभाग के -शेष पृष्ठ दो पर

कांगो-युगांडा में इबोला संकट गहराया, डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल

World Health Organization

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो और युगांडा में बंडीबुग्यो वायरस से फैले इबोला संक्रमण को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है। हालांकि संस्था ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इसे वैश्विक महामारी घोषित नहीं किया गया है। डब्ल्यूएचओ की ओर से जारी बयान के अनुसार, 16 मई तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के इटुरी प्रांत के बुनिया, रवाम्पारा और मोंगब्वालू क्षेत्रों में इबोला के आठ मामलों की पुष्टि हुई है। इसके अलावा 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जबकि 80 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। वहीं, युगांडा की राजधानी कंपाला में पिछले 24 घंटे के दौरान दो नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से एक संक्रमित मरीज की मौत हो गई। दोनों संक्रमित हाल ही में कांगो से यात्रा कर लौटे थे। डब्ल्यूएचओ ने चिंता जताई है कि बंडीबुग्यो वायरस के लिए फिलहाल कोई स्वीकृत इलाज या वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। संस्था के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मियों की मौत, सुरक्षा संबंधी चुनौतियां और बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही संक्रमण के तेजी से -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस हेडक्वार्टर के पास फायरिंग, छह गिरफ्तार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में 17 मई को रात करीब 11:30 बजे शहर के कोठी रोड इलाके में उस समय सनसनी फैल गई, जब वर्चस्व की लड़ाई और पुराने विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दो राउंड फायरिंग की गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस मामले में शामिल कुछ आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई में पकड़े जा चुके हैं। पुलिस शुरुआती जांच में आपसी रंजिश और क्षेत्र में वर्चस्व कायम करने की लड़ाई को घटना की बड़ी वजह मान रही है। वहीं दूसरी ओर प्रेम प्रसंग को लेकर भी विवाद की बात सामने आ रही है, जिसके चलते तनाव बढ़ा और फायरिंग तक नौबत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

आतंकवाद को जड़ से खत्म करना भारत-नॉर्वे की साझा प्रतिबद्धता : मोदी

ओस्लो (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना भारत और नॉर्वे की साझा प्रतिबद्धता है। उन्होंने बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए, वैश्विक संस्थाओं में सुधार की अनिवार्यता का दोहराया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ प्रेस वक्तव्य देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नॉर्वे प्रकृति और मानव प्रगति के बीच सामंजस्य का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने नॉर्वे के प्रधानमंत्री का आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। मोदी ने कहा कि वह पिछले वर्ष नॉर्वे आने वाले थे, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के कारण उनकी यात्रा स्थगित करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और नॉर्वे दोनों नियम-आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान संभव नहीं है। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के मुद्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत शांति और संघर्ष की शीघ्र समाप्ति के हर प्रयास का समर्थन करता रहेगा। मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच पिछले वर्ष हुए ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते से भारत और नॉर्वे के बीच साझा प्रगति और समृद्धि को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगले 15 वर्षों में इस समझौते के तहत भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश आने और 10 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को ठोस परिणामों में बदलने के लिए दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को खुशी है कि *नॉर्वे इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव* से जुड़ रहा है।

कामरूप में आदिवासी समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए *जन भागीदारी अभियान* शुरू

अमीनगांव। 18 मई से 25 मई तक चलने वाले *जन भागीदारी अभियान* की आज कामरूप के अमीनगांव स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में औपचारिक रूप से शुरुआत की गई। इस शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आयुक्त देबा कुमार मिश्रा ने की। इस अवसर पर बोको-चायगांव के विधायक राजू मेश, जिला परिषद के सीईओ सिद्धार्थ गोस्वामी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, एडीसी गीताश्री लाहिड़ी, आदित्य गोगोई और मोनिका बुढ़ागोहाई सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अभियान का उद्देश्य जागरूकता फैलाने, पात्रता अभियान चलाने, गांव-गांव जाकर लोगों से जुड़ने की गतिविधियों, स्वास्थ्य जांच शिविरों और *जन सुनवाई* शिविरों के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना और लोगों की शिकायतों का समाधान करना है। योजनाओं के क्रियान्वयन में रह गई कमियों की पहचान करने और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए लाभार्थियों से प्रतिक्रिया भी ली जाएगी। जिला आयुक्त ने बताया कि इस अभियान के दौरान लोगों तक पहुंच बनाने और विभिन्न गतिविधियों के बीच समन्वय स्थापित करने में आदि सेवा केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में पात्रता अभियान, गांव-गांव जाकर लोगों से जुड़ने के अभियान, जन सुनवाई सत्र, दस्तावेजीकरण और समीक्षा संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

देशभर में पेट्रोल, डीजल एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

नई दिल्ली (हि.स)। सरकार ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद पूरे देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र ने कहा कि एलपीजी वितरकों, रिटेल आउटलेट्स या उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी जरूरी ईंधनों की सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में एलपीजी वितरकों, रिटेल आउटलेट्स या उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी जरूरी ईंधनों की सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। उन्होंने सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर ज्यादा खरीदारी न करें और जरूरत के हिसाब से ही ईंधन खरीदें। उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। नागरिकों को पीएनजी, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे खाना पकाने के वैकल्पिक ईंधनों को ज्यादा से ज्यादा अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

चीन में मिट्टी के नीचे मिला जेट और मिसाइल बनाने वाला दुर्लभ धातु

बीजिंग। दुनिया में जंग के बीच चीन को रेयर अर्थ मिनरल्स के मामले में बड़ी सफलता मिली है। दुर्गम बर्फीले इलाके में टूटे हुए चट्टानों से चीन को मिसाइल और जेट बनाने वाले 17 दुर्लभ धातु मिले हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि खोजे गए तत्वों की पहचान सीरियम, नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम के रूप में हुई है। इसका इस्तेमाल फाइटर जेट और मिसाइल बनाने में किया जाता है। पूरी दुनिया का 90 प्रतिशत रेयर अर्थ मिनरल्स चीन से निर्यात होता है। रेयर अर्थ के मामले में चीन अपने इस प्रभाव को कायम रखना चाहता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक जिन इलाकों में नए तत्वों की पहचान की गई है। वो बर्फीला इलाका है। यहां हिम के पिघलने के बाद वैज्ञानिकों ने अपनी खोज शुरू की। अब उन्हें इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चीन के बर्फीले इलाके हेइलोंगजियांग और जिलिन में मिट्टी के नमूनों को लेकर एक सर्वे किया गया। यह सर्वे चट्टान के टूटे हुए भागों के जरिए किया गया। दरअसल, पहले इस इलाके में जो चट्टानें थीं, वो क्षारीय ग्रेनाइट की बनी हुई थीं। सर्दियों की ठंड और गर्मियों की गर्मी के कारण बार-बार जमने और पिघलने के चक्र से ये चट्टानें धीरे-धीरे टूटकर बिखर गईं। इसी बिखरे हुए मिट्टी में वैज्ञानिकों को 2 तरह के दुर्लभ धातु मिले हैं।

कांग्रेस नेता सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (हि.स.)। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के विधायक दल के नेता वडास्सेरी दामोदरन सतीशन (वीडी सतीशन) ने सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सतीशन के साथ 20 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यहां के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित समारोह में कांग्रेस नेता सतीशन और उनके 20 मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में कांग्रेस के 11 और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के पांच विधायक शामिल हैं। इसके अलावा यूडीएफ के घटक दलों-केरल कांग्रेस-जोसेफ, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरएसपी), केरल कांग्रेस-जैकब और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक-एक विधायक को मंत्री बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतीशन को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि केंद्र सरकार केरल को नई सरकार को जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने सतीशन के सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक राजीव चंद्रशेखर मौजूद रहे। इसके अलावा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, आईयूएमएल के प्रदेश अध्यक्ष सय्यद सादिक अली शिहाब थंगल और केरल कांग्रेस के नेता पीजे जोसेफ समेत कई प्रमुख नेता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शुभेंदु के पीए मर्डर केस में बड़ी सफलता, मेन शूटर गिरफ्तार

कोलकाता। सीबीआई ने मुजफ्फरनगर पुलिस के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या मामले में राजकुमार सिंह नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया गया है, यही मेन शूटर है। सीबीआई ने आरोपी की ट्रांजिट रिमांड लेकर मंगलवार को कोलकाता की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश करेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद, 6 मई की रात को शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रथ कोलकाता जा रहे थे, लेकिन नॉर्थ 24 परगना जिले के मध्यमग्राम के दोलतला इलाके में कुछ मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उन्हें नजदीक से गोली मार दी थी। फिलहाल इस मामले की सीबीआई जांच कर रही है। उनकी हत्या के बाद, एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई, जिसमें सीएम शुभेंदु अधिकारी ने रथ के परिवार से वादा किया कि उन्हें इंसाफ मिलेगा। बाद में, केस सीबीआई को सौंप दिया गया। ध्यान दें कि राजकुमार सिंह से तीन लोगों - मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह - को गिरफ्तार किया गया था। मिश्रा और मौर्य को बिहार के बक्सर से पकड़ा गया था, जबकि सिंह को यूपी के बलिया से गिरफ्तार किया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

प्रधानमंत्री को नॉर्वे ...

किया जाता है। ऑर्डर ऑफ मेरिट को पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है: ग्रैंड क्रॉस, ग्रैंड ऑफिसर, कमांडर, ऑफिसर और नाइट। नॉर्वे के शाही परिवार की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कि प्राप्तकर्ता की पदोन्नति या मृत्यु की स्थिति में ऑर्डर का प्रतीक चिन्ह ऑर्डर की परिषद को लौटा दिया जाता है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार *रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस* से सम्मानित किए जाने के एक दिन बाद मिला है। यह सम्मान उन्हें द्विपक्षीय संबंधों में उनके असाधारण योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के सम्मान में प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री ने बाद में इस पुरस्कार के लिए स्वीडन सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह भारत और स्वीडन के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों देशों के बीच संबंध और भी मजबूत होंगे। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि यह सम्मान न केवल मेरे लिए, बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए है। यह स्वीडन में हमारे सभी मित्रों को भी श्रद्धांजलि है जिन्होंने भारत-स्वीडन संबंधों को समृद्ध किया है और उन्हें एक मजबूत आधार प्रदान किया है। आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के तहत नॉर्वे पहुंचे। नॉर्वे पहुंचने पर उनका स्वागत उनके समकक्ष जोनास गहर स्टोर ने किया। यह प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा है। नॉर्वे पहुंचने के बाद उन्होंने स्टोर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की और उनके साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संघर्ष को संवाद के माध्यम से हल करने का आह्वान किया। उन्होंने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को समर्थन देने के लिए नॉर्वे सरकार का आभार भी व्यक्त किया, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी।

राज्य के मुसलमानों ...

हालांकि जायज हैं, इस्लामी रीति-रिवाजों में अनिवार्य नहीं हैं। विरासत के अधिकार का उल्लेख पवित्र कुरान में पहले ही किया जा चुका है। बेशक, इस्लामी कानून में उल्लिखित संपत्ति के बंटवारे और प्रस्तावित विधेयक में किए गए प्रावधानों से संबंधित कुछ मुद्दे हो सकते हैं, जिन पर चर्चा की गुंजाइश हो सकती है। गुवाहाटी के रहने वाले आईटी पेशेवर सज्जाद जहीर ने भी सरकार की इस पहल का स्वागत किया और कहा कि वह एक *संतुलित, प्रगतिशील और समावेशी कानूनी ढांचे* की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो समानता, एकरूपता, न्याय के सिद्धांतों और आधुनिक असमिया समाज की बदलती वास्तविकताओं का सम्मान करता हो, जिसमें असमिया मुस्लिम समुदाय के भीतर कायम प्रगतिशील मूल्य भी शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि असम जैसे विविधतापूर्ण और संवेदनशील समाज में, जन प्रतिनिधियों, पैनलिस्टों और सोशल मीडिया टिप्पणीकारों को संयम बरतना चाहिए और पक्षपातपूर्ण, विरोधाभासी या भड़काऊ टिप्पणियों से बचना चाहिए जो असमिया नागरिक समाज के भीतर दुश्मनी या गलतफहमी पैदा कर सकती हैं। असम में प्रस्तावित यूसीसी विधेयक पर हो रही चर्चा को धैर्य और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। फिलहाल, यूसीसी विधेयक का मसौदा असम विधानसभा में पेश नहीं किया गया है, इसलिए वास्तविक प्रावधानों की जांच किए बिना किसी भी प्रकार की विस्तृत व्याख्या या आलोचना से जनता में अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है। कुछ व्यक्तिगत राजनीतिक प्रतिनिधि और टिप्पणीकार ऐसे बयान दे रहे हैं जो असम के संपूर्ण मुस्लिम समुदाय की सामूहिक भावनाओं या विवेक को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। ऐसे व्यक्तिगत विचारों को पूरे असमिया मुस्लिम समाज की राय के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा। जाहिर ने यह भी दावा किया कि जिन परिस्थितियों में बहुविवाह की अनुमति दी गई थी या महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों को कम किया गया था, वे अब प्रासंगिक नहीं हैं। गुवाहाटी विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर सोफिया बानू ने भी कहा कि यह (यूसीसी) एक स्वागत योग्य कदम है जो निश्चित रूप से विरासत और अधिकारों के निष्पादन में महिलाओं के पक्ष में असमानता को दूर करेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह कानून के दायरे से कुछ धाराओं को बाहर रखने के पक्ष में नहीं हैं। शिक्षाविद और प्रशिक्षण सलाहकार रेशमा शाह के अनुसार, न्याय और समानता की दिशा में उठाया गया कोई भी कदम हमेशा स्वागत योग्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि सरकार समाज पर इसके प्रभाव, लाभ और परिणामों के संबंध में उचित जांच-पड़ताल करने के बाद मसौदा विधेयक को अंतिम रूप देगी। चुनौती इसकी व्याख्या और इसे व्यापक स्तर पर लागू करने में निहित है। हालांकि कुछ आलोचकों का मानना है कि यूसीसी धार्मिक स्वतंत्रता में बाधा डाल सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि उत्तराखंड, गोवा और गुजरात पहले ही यूसीसी को लागू कर चुके हैं, जबकि असम सरकार ने इसे राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया है और सरकार आदिवासी समुदायों की रक्षा करेगी और धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं को संरक्षित रखेगी।

मुख्यमंत्री ने लाइसेंस...

वस्तुएं ही खरीद रहे हैं। गुवाहाटी के निवासियों ने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण किराने और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लागत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। यह सरासर गलत है। मैं राज्य सरकार से अनुरोध करूंगा कि योजनाओं के माध्यम से मुफ्त धन देने के बजाय पेट्रोल, डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हुई वृद्धि को कम करें। हमें केवल वस्तुओं और आवश्यक वस्तुओं की कम कीमतें चाहिए, एक निवासी ने कहा। एक अन्य निवासी ने कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। अगर कीमतें घटने के बजाय बढ़ती रहीं तो हमें संकट का सामना करना पड़ेगा। सरकार से हमारी एकमात्र गुजारिश है कि इन बढ़ती कीमतों से राहत प्रदान की जाए, निवासी ने कहा। इससे पहले, सत्रा मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) के सदस्यों ने चुनाव के बाद ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी और परिणामस्वरूप वस्तुओं की लागत में हुई वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

असम विस में नेता प्रतिपक्ष...

की औपचारिक बैठक तक नहीं कर पाई है। लेकिन पार्टी के भीतर इस बात को लेकर जोरदार चर्चा चल रही है कि सदन के भीतर कांग्रेस विधायकों का नेतृत्व आखिर कौन करेगा। 126 सदस्यीय असम विधानसभा में कांग्रेस के 19 विधायक चुने गए हैं, जिनमें से 18 विधायक मुस्लिम समुदाय से आते हैं। जयप्रकाश दास को छोड़कर पार्टी में दूसरा कोई हिंदू विधायक नहीं है। इसी मुद्दे को लेकर सत्तापक्ष लगातार कांग्रेस पर हमला बोल रहा है और उसे मुस्लिम केंद्रित दल करार दे रहा है। विधानसभा के संशोधित नियमों के अनुसार सदन में 10 प्रतिशत सदस्य संख्या रखने वाला विपक्षी दल नेता प्रतिपक्ष का आधिकारिक दर्जा पा सकता है। कांग्रेस के पास 19 विधायक होने के कारण पार्टी इस पद की हकदार है। इस पद के साथ कैबिनेट मंत्री का दर्जा और कई सरकारी सुविधाएं भी जुड़ी हुई हैं। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर कांग्रेस में कई गुट बन चुके हैं। पांच बार विधायक रहे वाजेद अली चौधरी वरिष्ठता के आधार पर मजबूत दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन वरिष्ठ नेता रकीबुल हुसैन के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं बताए जाते। यही वजह है कि उनके नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। चार बार विधायक चुने गए रेकिबुद्दीन अहमद भी इसी तरह की अंदरूनी राजनीति का शिकार बताए जा रहे हैं। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवब्रत सैकिया अपने करीबी जाकिर हुसैन सिकदर को इस पद पर देखना चाहते हैं। सिकदर लगातार तीसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई की पसंद नुरुल हुदा बताए जा रहे हैं। दूसरी ओर रकीबुल हुसैन अपने करीबी और पहली बार विधायक बने जयप्रकाश दास को नेता प्रतिपक्ष बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने अंतिम फैसला लेने की जिम्मेदारी गौरव गोगोई पर छोड़ दी है। लेकिन किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनने से पार्टी असमंजस में फंसी हुई है। जयप्रकाश दास को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर पार्टी के भीतर विरोध की आशंका है, जबकि उन्हें नजरअंदाज करने पर भी नए विवाद खड़े हो सकते हैं। फिलहाल, कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष का फैसला टलता नजर आ रहा है, हालांकि दौड़ में जयप्रकाश दास और नुरुल हुदा सबसे आगे बताए जा रहे हैं।

राजेन गोहाई ने असोम...

इससे जुड़े सभी पदों और जिम्मेदारियों से इस्तीफा देता हूं, अनुभवी नेता ने लिखा, साथ ही पार्टी के साथ अपने जुड़ाव के दौरान सहयोग के लिए पार्टी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। हाल ही में बढ़हमपुर निर्वाचन क्षेत्र से असम विधानसभा चुनाव लड़ने वाले गोहाई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जीतू गोस्वामी ने हरा दिया था। 75 वर्षीय नेता ने कहा कि उनका इरादा अपने निजी जीवन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का है, हालांकि उनके इस्तीफे ने उनकी भविष्य की राजनीतिक योजनाओं को लेकर अटकलों को जन्म दिया है। असम की राजनीति के एक अनुभवी नेता, गोहाई पहले भाजपा से जुड़े थे और नागांव लोकसभा क्षेत्र से सांसद के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान रेल राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

अजान के दौरान ...

आवास के पास की एक मस्जिद में पांच बार लाउडस्पीकर पर अजान दी जाती है। इससे हमें परेशानी होती है। उन्होंने आगे कहा कि वह इस मुद्दे से जुड़े कानूनी प्रावधानों और अदालती फैसलों का अध्ययन कर रहे हैं, और हो सकता है कि वह इस मामले को सरकार के सामने उठाएं। इसी से जुड़े एक बयान में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा कि लोगों को नमाज एक तय तरीके से अदा करनी चाहिए, और अगर जरूरत हो तो इसे पालियों (शिफ्ट्स) में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पहले प्यार से कहेगी और अगर इससे बात नहीं बनेगी तो सार्वजनिक व्यवस्था के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दूसरे तरीके अपनाए जाएंगे। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में, सीएम योगी ने कहा कि आपको नमाज अदा करनी है, तो आप इसे अपनी पाली के दौरान पढ़ सकते हैं... हम प्यार से आपको राजी कर लेंगे; अगर आप राजी नहीं हुए, तो हम दूसरा तरीका अपनाएंगे। सीएम योगी ने लखनऊ में एक जनसभा का वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे पर बात की थी। उन्होंने कहा कि मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि क्या उत्तर प्रदेश में लोग सचमुच सड़कों पर नमाज अदा नहीं करते हैं? उन्होंने आगे कहा कि मैं साफ-साफ कहता हूं कि ऐसा बिल्कुल नहीं होता। आप खुद जाकर देख लीजिए। सड़कें आने-जाने के लिए होती हैं। क्या कोई भी आकर किसी चौराहे पर तमाशा खड़ा करके ट्रैफिक रोक सकता है? किसी को भी लोगों के आने-जाने में रुकावट डालने का क्या हक है?

टेम्पो-कंटेनर की ...

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को नजदीकी उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और मृतकों की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक में 100 से अधिक बाराती सवार थे, जो शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

असम में ईंधन की आपूर्ति ...

दी जाती है कि ईंधन की उपलब्धता के संबंध में सटीक और सत्यापित जानकारी के लिए केवल तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें, बयान में कहा गया है। मंत्रालय के अनुसार, टर्मिनलों, डिपो और खुदरा दुकानों सहित संपूर्ण ईंधन आपूर्ति श्रृंखला बिना किसी व्यवधान के कुशलतापूर्वक संचालित हो रही है। इसमें आगे कहा गया है कि ईंधन भंडार की लगातार निगरानी की जा रही है और असम के सभी स्थानों पर पुनःपूर्ति अभियान सुचारू रूप से चल रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है और राज्य भर में यह सामान्य रूप से जारी है। बयान में कहा गया है कि सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। तेल उद्योग पूरे क्षेत्र में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रसद, स्टॉक आवागमन और खुदरा संचालन पर भी घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए है।

आरएसएस हेडक्वार्टर के ...

पहुंच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो प्रमुख आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि जहां यह घटना हुई, वो इलाका आरएसएस मुख्यालय से महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में देर रात हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि फरार आरोपियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

ममता की चलाई मजहब ...

तहत मजहब के आधार पर संचालित सभी सहायता योजनाएं अगले महीने से समाप्त कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मई महीने तक लाभार्थियों को योजनाओं का फायदा मिलता रहेगा, लेकिन जून से इन्हें पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना जारी करेगी। हालांकि, दुर्गा पूजा समितियों को दिए जाने वाले अनुदान को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। नई सरकार के गठन के तुरंत बाद लिए गए इस फैसले को भाजपा सरकार के बड़े नीतिगत निर्णयों में माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया था और *भत्ता नोय, भात चाई* का नारा दिया था। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक इस फैसले का असर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में शुरू की गई कई योजनाओं पर पड़ेगा। इनमें इमामों, मुअज्जिनों और हिंदू पुजारियों को दिए जाने वाले मासिक भत्ते भी शामिल हैं। पूर्व व्यवस्था के तहत इमामों को प्रति माह 3000 रुपए, मुअज्जिनों को 1500 रुपए और हिंदू सनातन ब्राह्मण पुजारियों को भी 1500 रुपए मासिक सहायता राशि दी जाती थी। आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थियों को बंगाल आवास योजना के तहत आवास सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती थी। इस नीति की शुरुआत अप्रैल, 2012 में हुई थी, जब ममता बनर्जी सरकार ने इमामों और मुअज्जिनों के लिए मासिक मानदेय योजना लागू की थी। बाद में इस योजना को लेकर राजनीतिक विवाद और कानूनी चुनौती भी सामने आई थी। सितंबर, 2013 में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मुस्लिम धर्मगुरुओं को सीधे सरकारी भत्ता दिए जाने की व्यवस्था को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि करदाताओं के धन का उपयोग किसी विशेष धार्मिक समुदाय के पक्ष में भेदभावपूर्ण तरीके से नहीं किया जा सकता। इसके बाद राज्य सरकार ने वक्फ बोर्ड के माध्यम से भुगतान व्यवस्था लागू की थी। भाजपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि मजहब आधारित योजनाओं से प्रशासनिक भेदभाव और आर्थिक दबाव बढ़ा। वहीं सरकार का कहना है कि अब उसकी प्राथमिकता रोजगार सृजन, आधारभूत ढांचे का विकास और धर्म से इतर व्यापक जनकल्याण योजनाओं पर होगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला नई सरकार की *भेदभावरहित शासन व्यवस्था* और प्रशासनिक पुनर्गठन नीति का हिस्सा है।

कांगो-युगांडा में इबोला...

फैलने का खतरा बढ़ा रही है। स्थिति को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने कांगो, युगांडा और पड़ोसी देशों के लिए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय करना, आपातकालीन संचालन केंद्र स्थापित करना, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करना और जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाना शामिल है। साथ ही संस्था ने निर्देश दिया है कि पुष्ट संक्रमितों को पूरी तरह स्वस्थ होने और दो नेगेटिव टेस्ट आने तक यात्रा की अनुमति न दी जाए। संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों को 21 दिनों तक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा से रोकने, हवाई अड्डों और सीमा चौकियों पर बुखार की जांच अनिवार्य करने तथा मृतकों का अंतिम संस्कार सुरक्षित प्रोटोकॉल के तहत प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा कराने की सलाह दी गई है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया कि अभी यह स्थिति *अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम* (2005) के तहत महामारी घोषित किए जाने के मानदंडों को पूरी तरह पूरा नहीं करती है। संस्था ने देशों से अपील की है कि वे फिलहाल अपनी सीमाएं बंद न करें और न ही यात्रा या व्यापार पर प्रतिबंध लगाएं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि ऐसे प्रतिबंधों के कारण लोग अनौपचारिक रास्तों से यात्रा करते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा और बढ़ सकता है। इसके अलावा सभी देशों से अपने नागरिकों और यात्रियों को बंडीबुग्यो वायरस, उसके जोखिम और बचाव के उपायों के बारे में सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने बैंकों ...

ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी) और वित्तीय संस्थानों (पीएसएफआई) को जारी परिपत्र में यात्रा खर्च कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का आग्रह किया है। परिपत्र में कहा गया कि मितव्ययिता उपाय तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। इसके तहत सभी बैठकें, समीक्षा और परामर्श ऑनलाइन किए जाएं जब तक कि भौतिक बैठक बेहद आवश्यक न हो। परिपत्र में कहा गया कि बैंकों व वित्तीय संस्थानों के चेयरमैन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) तथा पूर्णकालिक निदेशकों की विदेश यात्राओं को छोटा किया जाए और जहां तक संभव हो ऐसे कार्यक्रमों में ऑनलाइन शामिल हों। इलेक्ट्रिक वाहनों के संबंध में परिपत्र में कहा गया कि सभी संस्थाएं किराये पर लिए गए पेट्रोल और डीजल के वाहनों के स्थान पर यथासंभव इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का इस्तेमाल शुरू करें। मौजूदा वाहन बेड़े को चरणबद्ध तरीके से ईवी में बदला जाए।

गर्भपात करवाने के आरोप में एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पानबाजार महिला पुलिस स्टेशन की टीम ने एक महिला का जबरन गर्भपात करवाने के आरोप में दर्ज की गई शिकायत के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि पानबाजार महिला पुलिस स्टेशन की एक टीम ने गोटानगर निवासी चिनमोय दत्ता (30) को रिश्ते में धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और बिना सहमति के गर्भपात के एक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने विवाह का झांसा देकर शिकायतकर्ता के साथ शारीरिक संबंध स्थापित किया और बाद में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण उसे छोड़ दिया। घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उधर मोरीगांव जिले के जागीरोड थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में घटनास्थल पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह हादसा बीती रात जागीरोड के निर्माणाधीन टाटा सेमीकंडक्टर प्रकल्प के सामने हुआ। मृतक की पहचान पलंग्सू गांव के अर्जुन थापा के रूप में की गई है।

इंफाल पूर्व में सक्रिय प्रीपाक उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स रिवॉल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलेइपाक के एक कैडर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज आधिकारिक जानकारी दी कि गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान लैश्रम जीवन सिंह (38) के रूप में हुई है, जो लांगमीडोंग का निवासी बताया गया है। सुरक्षा बलों ने उसे 17 मई को इंफाल पूर्व जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र अंतर्गत खाबाम लामखाई माखा लैकाई इलाके से अभियान चलाकर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति प्रीपाक संगठन का सक्रिय कैडर था और क्षेत्र में गतिविधियों में शामिल था। गिरफ्तारी के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई और पूछताछ के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया। राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार तलाशी एवं अभियान चलाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री के नीदरलैंड, स्वीडन और यूएई दौरे से भारत को मिला प्रगति का नया संदेश : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड और स्वीडन दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली ने कहा है कि इन यात्राओं ने वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत नेतृत्व क्षमता, कूटनीतिक सफलता और विकासोन्मुख सोच को नई पहचान दी है। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली ने एक बयान में कहा कि यूएई दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति को विश्व समुदाय के सामने दोहराया। उन्होंने यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और सहयोग के लिए वहां की

सरकार का आभार भी व्यक्त किया। तामुली ने कहा कि इस दौरे से भारत और यूएई के संबंध और अधिक मजबूत होंगे। उन्होंने बताया कि नीदरलैंड दौरे के दौरान भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को गति देने के लिए महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं। सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा, नवाचार और आधुनिक तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एएसएमएल के बीच हुए समझौते को *आत्मनिर्भर भारत* अभियान के लिए अहम बताया गया। बयान के अनुसार, ढोलेरा में प्रस्तावित आधुनिक सेमीकंडक्टर परियोजना युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और तकनीकी क्षेत्र में भारत को नई दिशा देगी। इसके अलावा नीदरलैंड के जल प्रबंधन अनुभवों से सीख लेते हुए भारत में बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई व्यवस्था और अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास पर भी जोर दिया गया। स्वीडन दौरे का जिक्र करते हुए प्रियंका तामुली ने कहा कि स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टेरसोन द्वारा एयरपोर्ट पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करना भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को *रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस* सम्मान से सम्मानित किया गया, जिसे स्वीडन के सर्वोच्च सम्मानों में शामिल माना जाता है। उन्होंने कहा कि गोथेनबर्ग में आयोजित उद्योगपतियों की बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा और आधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में भारत-स्वीडन सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को संबोधित करते हुए भारत की विकास यात्रा और वैश्विक निवेश की संभावनाओं को प्रमुखता से रखा। प्रियंका तामुली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व स्तर पर एक मजबूत, भरोसेमंद और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है तथा इन विदेश दौरों से *विकसित भारत* के लक्ष्य को नई गति मिलेगी।

लोक सेवा भवन लौटे मुख्यमंत्री, जनता की सेवा को बताया सर्वोच्च दायित्व

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को लोक सेवा भवन स्थित अपने कार्यालय लौटने पर जनता के प्रति समर्पण दोहराते हुए कहा कि यह कार्यालय उनके लिए *जनसेवा का मंदिर* है। उन्होंने कहा कि कार्यालय में पुनः लौटकर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कार्यकाल की तरह आगामी पांच वर्षों में भी लोक सेवा भवन का यह कार्यालय 24×7×365 जनता की सेवा में निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने राज्यवासियों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर समय लोगों की समस्याओं के समाधान और जनहित के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जनसेवा ही उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी भावना के साथ प्रशासन को और अधिक सक्रिय एवं जवाबदेह बनाया जाएगा।

वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में आ गई है असम साहित्य सभा : परमानंद राजबंशी

गुवाहाटी (हिंस)। असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक परमानंद राजबंशी ने सभा के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार गोस्वामी के विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। परमानंद राजबंशी ने आरोप लगाया कि साहित्य सभा अब वामपंथी विचारधारा वाले बुद्धिजीवियों के प्रभाव में आ चुकी है। उन्होंने डॉ. बसंत कुमार गोस्वामी से असम की वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिस्थिति को समझने तथा वास्तविकता के धरातल पर लौटने की अपील की। उल्लेखनीय है कि, डॉ. गोस्वामी ने कथित तौर पर कहा है कि यदि चर-चापोरी क्षेत्रों के मुसलमान जनगणना में सहयोग नहीं करते हैं तो असमिया लोगों का अपने ही राज्य में *द्वितीय श्रेणी का नागरिक* बन जाना *100 प्रतिशत निश्चित* हो जाएगा। उनके इस बयान के बाद राज्यभर में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में व्यापक चर्चा शुरू हो गई। राजबंशी ने कहा कि साहित्य और संस्कृति से जुड़े प्रतिष्ठित संगठनों के पदाधिकारियों को संवेदनशील विषयों पर बयान देते समय संयम बरतना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असम साहित्य सभा जैसी संस्था को किसी राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर समावेशी असमिया समाज के हित में कार्य करना चाहिए। डॉ. गोस्वामी के बयान के बाद राज्य में पहचान, जनसांख्यिकीय बदलाव और सांस्कृतिक संगठनों की भूमिका को लेकर बहस और तेज हो गई है।

धूबड़ी : मूल्यवृद्धि के खिलाफ आम लोगों में काफी आक्रोस

धुबड़ी (विभास)। हाल ही में हुए चुनाव के बाद जिले में मूल्यवृद्धि के खिलाफ आम लोग काफी परेशान हैं। जिले के गौरीपुर, गोलकगंज, छागोलियां, बिलासीपाड़ा, चापर सहित मूल्य वृद्धि को लेकर आम लोगों के बीच सरकार के प्रति उदासीन रवैया देखी जा रही है। मूल्यवृद्धि के खिलाफ आज आम लोगों ने जिले के विभिन्न हिस्सों में धरनाप्रदर्शन किया। वहीं लोगों ने असम सरकार की सप्लाई विभाग पर इसका आरोप लगाया। संबंधित विभाग इस पर ध्यान नहीं दे रही है। लोगों का कहना है कि 2026 के विधानसभा निर्वाचन गुजर जाने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी वाली एनडीए सरकार अपना रंग ढंग रूप दिखाना आरंभ कर दिया है। अभी आगे और भी दिन देखने को बाकी है। इसके अलावा धुबड़ी शहर के सचेतन नागरिकों ने अपने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज के बाजारों में दाल, साग-सब्जियां, सरसों का तेल, फल, चावल, आटा आदि का मूल्य आकाश छुता नजर आ रहा है। आज की तारीख में यह आम लोगों के लिए बहुत चिंता का विषय बन चुका है। जहां 500 रुपए में दिन-दिहाड़ी करने वाले लोग अपना परिवार का पोषण पालन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में ऑर्किड और कैक्टस गार्डन का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2026 के अवसर पर गुवाहाटी स्थित नेशनल साइंस सेंटर में *ऑर्किड और कैक्टस गार्डन* का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। गार्डन का उद्घाटन डॉ. अशिहो ए माओ ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने संग्रहालयों के महत्व और ज्ञान संरक्षण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में ख्यानजीत गोगोई तथा विज्ञान केंद्र के निदेशक संजय मजूमदार भी उपस्थित रहे। *म्यूजियम्स यूनाइटिंग अ डिवाइडेड वर्ल्ड* थीम पर आयोजित कार्यक्रम में उपासना नृत्यांगन द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए एग्जिबिट हंट प्रतियोगिता, ओपन हाउस क्विज और शाम को स्काई ऑब्जर्वेशन सत्र का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विज्ञान केंद्र में सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया।

तामुलपुर में पीएमटीएएनएम और डीएटीजी उत्कर्ष अभियान की बैठक आयोजित

तामुलपुर (हिंस)। केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत संचालित *प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान* तथा *धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान* योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को तामुलपुर जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला आयुक्त सिमी करण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, क्षेत्रीय स्तर के कार्यकर्ता तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 19 मई से 25 मई तक चलने वाले अभियान की रूपरेखा, जनजागरूकता बढ़ाने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिले के 45 वीसीडीसी के जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका के अवसर तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही गांव स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार चलाकर लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। जिला प्रशासन ने अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जिला प्रशासन के आह्वान पर संबंधित विभाग 19 मई से जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सप्ताहव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करेंगे।

एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल मुंबई के अस्पताल में भर्ती

गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ प्रमुख एवं विधायक बदरुद्दीन अजमल के अस्वस्थ होने की खबर सामने आई है। उन्हें इलाज के लिए मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्या बढ़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के अनुसार, बदरुद्दीन अजमल का आगामी 21 मई को हज यात्रा पर जाने का कार्यक्रम था। लेकिन अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उनकी यात्रा को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। अजमल के अस्वस्थ होने की खबर मिलते ही उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

एनटीपीसी बंगाईगांव में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों ने बिखेरे उत्साह के रंग

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी बंगाईगांव में हाल ही में एक भव्य और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने पूरे टाउनशिप को उत्सव के माहौल में सराबोर कर दिया। इस कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, *बर्द्वी शिखला लेडीज क्लब* की सदस्यों और टाउनशिप के परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी की उत्साही भागीदारी ने उत्सव के रंग को और गहरा कर दिया। यह आयोजन कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए एक बेहद सार्थक मंच साबित हुआ, जहां उन्हें क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासतों को करीब से जानने और उनसे जुड़ने का अवसर मिला। रंगारंग प्रस्तुतियों और विविध कार्यक्रमों के जरिए उपस्थित लोगों ने न केवल आनंद लिया, बल्कि अपनी जड़ों और लोक संस्कृति के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया। इस सफल आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल से परे जाकर एक मजबूत पारिवारिक और सामुदायिक जुड़ाव पैदा करना था। कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों के बीच आपसी सामंजस्य, एकजुटता और समुदाय की भावना को एक नई मजबूती मिली। ऐसे आयोजनों के माध्यम से एनटीपीसी बंगाईगांव लगातार कर्मचारी जुड़ाव को बढ़ावा देने और कार्यस्थल पर एक जीवंत, सकारात्मक एवं समावेशी संस्कृति का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उत्सव ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि एनटीपीसी परिवार के हर सदस्य को एक सूत्र में पिरोने का काम भी किया, जिसकी सराहना पूरे टाउनशिप में की जा रही है।

असम के खनन क्षेत्र को केंद्र से मिली 500 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य का खनिज क्षेत्र अब केवल संभावनाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विकास के नए इंजन के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने बताया कि खनन क्षेत्र में व्यापक सुधारों और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के कारण असम को केंद्र सरकार से 500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया संदेश में कहा कि इस प्रोत्साहन से राज्य के खनन क्षेत्र को नई गति मिलेगी। इसके तहत उत्पादन क्षमता में वृद्धि, खनन व्यवस्था का आधुनिकीकरण तथा राज्य के राजस्व संग्रह को और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सही और वैज्ञानिक उपयोग करते हुए आत्मनिर्भर और समृद्ध असम के निर्माण के लिए राज्य सरकार दृढ़ता से आगे बढ़ रही है।

धुबड़ी : एचपीवी टीकाकरण को लेकर जिला उपायुक्त सम्मेलन कक्ष में बैठक आयोजित

धुबड़ी (विभास)। आज जिला उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एचपीवी टीकाकरण के संबंध में एक जिला ट्रस्ट फोर्स की बैठक आयोजित की गई। एचपीवी टीकाकरण मुख्य रूप से महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (करव्हीकल कैंसर) को रोकने के उद्देश्य से दिया जाता है। गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से में होने वाली एक गंभीर बीमारी है। विश्व स्तर पर हर साल लगभग 6.6 लाख महिलाएं उक्त कैंसर से प्रभावित होती है। स्तन, फेफड़े और कोलन कैंसर के बाद यह महिलाओं में चौथा सबसे प्रचलित कैंसर है। जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान मार्च 2026 में शुरू हुआ और जून महीना तक चलेगा। यह अभियान मुख्य रूप से जिले की उच्च विद्यालयों में 14-15 वर्ष की आयु के छात्राओं को लक्षित करते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है, नियोजित कुल 199 सभाओं में से सभी 199 सभाएं सफलता पूर्वक संपन्न हो चुकी है। हालांकि कुल लक्ष 17,250 लाभार्थियों में से अब तक 2072 छात्राओं को टीका लगाया जा चुका है। निर्धारित आयु सीमा से बाहर की छात्राओं गर्भवती महिलाओं पहले टीका लगवा चुके व्यक्तियों को यह टीका नहीं दिया जाएगा ऐसे मामलों में पूरी तरह स्वस्थ होने तक टीकाकरण स्थगित रखा जा जाता है। बैठक में अभिभावको और छात्र-छात्राओं के बीच गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करके टीकाकरण की दर बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त बीपांग ज्योति नाथ की अध्यक्षता में आयोजित की गई इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी विद्यालय निरीक्षक और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे इस बात की जानकारी जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी एस रानी दास ने हम संवाददाताओं को दिया

कोकराझाड़ में भीषण तूफान का तांडव

बिजली ढांचा पूरी तरह ध्वस्त, दो लाख उपभोक्ता अंधेरे में

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले और उसके आसपास के इलाकों में रविवार शाम आए भीषण तूफान और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण क्षेत्र का बिजली वितरण नेटवर्क पूरी तरह चरमरा गया है, जिससे लगभग 2, 00, 000 (2 लाख) उपभोक्ता प्रभावित हुए हैं। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अनुसार, कोकराझाड़, फकीरग्राम, गोसाईगांव और चापर विद्युत उप-मंडलों में भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, हाई टेंशन और लो टेंशन लाइनों के तार टूट गए हैं, खंभे उखड़ गए हैं और कई जगहों पर ट्रांसफार्मर के ढांचे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। कोकराझाड़ सब-डिवीजन: शहर और बाहरी इलाकों में पेड़ों के गिरने से 11 केवी की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कोकराझाड़ के 33/11 केवी सबस्टेशन के कंट्रोल रूम की छत से बारिश का पानी रिसने लगा, जिसके बाद आनन-फानन में तकनीकी टीम ने कंट्रोल पैनलों को प्लास्टिक शीट से ढका ताकि शॉर्ट-सर्किट को टाला जा सके। फकीरग्राम सब-डिवीजन : डोटमा, सर्फांगुड़ी और पाटगांव जैसे क्षेत्रों में वितरण ढांचा बुरी तरह टूट गया है। गोसाईगांव सब-डिवीजन : यहां एक प्रमुख चार-पोल वाला ढांचा धराशायी हो गया है। कोचूगांव, हातीधुरा और दमरापाड़ा जैसे 33 केवी के बड़े फीडर वर्तमान में बंद हैं। चापर सब-डिवीजन :

चापर हायर सेकेंडरी स्कूल और पुलिस स्टेशन के पास बड़े पेड़ों के गिरने से पूरा नेटवर्क ध्वस्त हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर मुख्य 33 केवी फीडिंग लाइन को *फोर्स ट्रिप* (बंद) कर दिया गया है। एपीडीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि पूरी फील्ड टीम भारी बारिश और अंधेरे के बावजूद पेट्रोलिंग और मरम्मत कार्य में जुटी हुई है। विभाग ने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। प्राथमिकता के आधार पर सबसे पहले अस्पतालों और सार्वजनिक सुविधाओं की बिजली बहाल की जा रही है, जिसके बाद सामान्य आपूर्ति सुचारू की जाएगी।

बंद घर से आभूषण समेत अन्य सामग्रियों की चोरी

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिला शहर मुख्यालय में चोरों का एक दल घर में प्रवेश कर सोने-चांदी के आभूषण के अलावा नगद रुपए लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात चोरों का दल शिवसागर के व्यापारी अब्दुल कासिम और अब्दुल बारेक के घर में प्रवेश कर आलमारी तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण के अलावा नगद रुपए लेकर फरार हो गए। घटना के समय घर के लोग अपने रिश्तेदार के यहां शादी की दावत पर गए थे। इसी दौरान यह घटना घटी। अब्दुल करीम और अब्दुल बारेक ने बताया कि एक साल पहले भी हमारे घर में इस तरह की चोरी की इसी तरह की वारदात हुई थी। घटना के संबंध में स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चोरी की गुत्थी को सुलझाने में लगी हुई है।

असम क्रिकेट एसोसिएशन ने 2025-26 सीजन के बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने गुवाहाटी में एसीए स्टेडियम कांप्लेक्स के 91 यार्ड्स क्लब के ऑडिटोरियम में अपना वार्षिक पुरस्कार समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस समारोह में 2025-26 क्रिकेट सीजन के दौरान अपने असाधारण प्रदर्शन और अमूल्य योगदान के लिए खिलाड़ियों, टीमों, कोचों, क्यूरेटरों और सपोर्ट स्टाफ को सम्मानित किया गया। खेल में उत्कृष्टता की सराहना करते हुए, असम क्रिकेट एसोसिएशन ने 12 बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को 12 लाख की नकद राशि पुरस्कार के रूप में वितरित की। इन खिलाड़ियों ने बीसीसीआई घरेलू सीजन 2025-2026 के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। सेमी-फाइनल तक पहुंचने वाली असम अंडर-16

विजय मर्चेंट ट्रॉफी टीम को भी 2025-26 सीजन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि और सराहनीय प्रदर्शन के सम्मान में 12.5 लाख की नकद राशि से सम्मानित किया गया। एसीए कॉर्पोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में, चैंपियन टीम को 7 लाख की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता टीम को 3 लाख मिले। 1.5 लाख के व्यक्तिगत पुरस्कारों को मिलाकर, टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 11.5 लाख रही। इस कार्यक्रम में 8वीं असम प्रीमियर क्लब चैंपियनशिप (एपीसीसी) 2025-26 की चैंपियन और उपविजेता टीमों को भी सम्मानित किया गया, जिन्हें क्रमशः 25 लाख और 15 लाख की पुरस्कार राशि दी गई। जिला, जोनल और फाइनल राउंड में पुरस्कार वितरण को मिलाकर, एपीसीसी की कुल पुरस्कार राशि 1.73 करोड़ रही। सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 (प्लेट ग्रुप) नबा कमल भुइयां ट्रॉफी में, चैंपियन टीम को 10 लाख की पुरस्कार राशि मिली, जबकि उपविजेता टीम को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मान में 7 लाख का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एसीए के क्यूरेटरों को भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में 3 आईपीएल मैचों के दौरान चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद विश्व स्तरीय खेल परिस्थितियां सुनिश्चित करने में उनके अटूट समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना के रूप में दिया गया। यह बात ध्यान देने लायक है कि अप्रैल में हुए 3 मैचों के ठीक बाद ही क्यूरेटरों और ग्राउंड स्टाफ को 25 लाख रुपए की राशि से सम्मानित किया गया था। इस समारोह में बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

संपादकीय

किस ब्रह्मांड में हैं ट्रंप

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के एक मंच से आगाह किया है कि यह आपदाओं का दशक बन गया है। यदि पश्चिम एशिया युद्ध के हालात नहीं बदले, युद्ध नहीं थमा, तो दशकों की कई उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में फंस जाएगी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' हैं। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है। विश्व में हाहाकार मची है। जापान जैसे देश को अपना तेल रिजर्व खोलना पड़ा है, ताकि देश में आपूर्ति बराबर बनी रहे। कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुकी हैं। कच्चा तेल औसतन 51 फीसदी महंगा हुआ है। यूरिया और अमोनिया 65 फीसदी और बुटान (हाईड्रोकॉर्बन गैस) 51 फीसदी से अधिक महंगे हुए हैं। यह कोई अस्थायी बाधा और सामान्य स्थिति नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का आकलन है कि ईरान युद्ध के कारण दुनिया के 4.5 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार हो सकते हैं। क्या ट्रंप को इन स्थितियों का एहसास तक नहीं है? क्या वह विश्व-विजयी आक्रांता साबित होना चाहते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के सौजन्य से ऐसी खबरें न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया में छपी हैं कि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम और संवर्धित यूरेनियम (करीब 450 किग्रा.) पर कब्जा करने को सैन्य व्यूह-रचना करवा रहे हैं। यह कौन-सी कूटनीति है? अभी तक के युद्ध में तो अमरीका ईरान के परमाणु कार्यक्रम की परछाईं तक ढूंढ नहीं सका है और अब तो रूस, चीन उसे बराबर मदद दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप चीन गए थे, लेकिन चीन के प्रति इतना घोर अविश्वास और संदेह है कि चीन ने जो उपहार दिए थे, उन्हें हवाई अड्डे पर ही कूड़ेदान में डलवा कर नष्ट करा दिया गया। हैकिंग और जासूसी के उपकरणों का शक...! चीन ने सेमीकंडक्टर चिप, दुर्लभ खनिज, बोइंग विमान, बिजली के वाहन, आपसी व्यापार समझौते आदि पर कोई ठोस बात ही नहीं की, समझौता तो दूर की कौड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप तो अपने ही ब्रह्मांड में रहते हैं, बेशक गालबजाई करते रहें कि चीन दौरा बेहद सफल रहा। हकीकत यह है कि ट्रंप चीन से खाली हाथ लौटे हैं, लिहाजा गुस्से और कुंठा में ईरान पर नए आक्रमण की बात कर रहे हैं। पेंटागन के कमांडरों को युद्ध की तैयारियां करने के अघोषित आदेश दिए जा चुके हैं। हकीकत यह भी है कि चीन और रूस की मदद से ईरान युद्ध के मोर्चे पर अब भी डटा है और पलटवार की चेतावनियां भी जारी कर रहा है। भारत में लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। शनिवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में गिग वर्कर्स ने दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतीकात्मक हड़ताल रखी। गिग की संख्या देश भर में 1.2 करोड़ से अधिक बताई जाती है। कैब सेवाएं, ट्रक आदि ने भी हड़ताल के संकेत दिए हैं। हमारे देश में तेल कंपनियों ने 2022 के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम 3-3 रुपए बढ़ाए हैं। उसी पर चीखा-चिल्ली मची है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये दाम 20-30 रुपए तक बढ़ेंगे, तभी तेल कंपनियों के घाटे पूरे होंगे और वे मुनाफा कमाने लगेंगी। अगर हालात सामन्य नहीं हुए तो आने वाला समय और ज्यादा संकट वाला होगा। फिलहाल तो वैश्विक संकट देखते रहिए।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी कहा है कि ऊर्जा-संकट अभी इतना बढ़ेगा कि दुनिया में आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हो सकता है। होर्मुज अभी खुलता नहीं लग रहा, बल्कि समंदर का तनाव और बढ़ेगा। जंग अभी जारी रहेगी, लिहाजा हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहना है और मुकाबला भी करना है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सरीखे विकसित देशों की अपनी चिंताएं हैं, क्योंकि तेल-गैस की उनकी सप्लाई चेन भी बहुत प्रभावित हुई है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न जाने किस ब्रह्मांड में रहते हैं? कैसे आत्म-मुग्ध, साम्राज्यवादी, आक्रांता किस्म के, कब्जेबाज राष्ट्रपति हैं, जिसे दुनिया की चिंता भी नहीं है और उसके प्रति सरोकार भी 'शून्य' हैं। ट्रंप चीन प्रवास से खाली हाथ, नाकाम, फ्लॉप, समझौते के बिना, ईरान युद्ध के किसी समाधान के बिना और ताइवान पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'युद्ध-सी' चेतावनी सुनकर लौटे हैं और ईरान पर नए आक्रमण की रणनीति में जुट गए हैं। उनके अपने देश अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल 44-48 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है।

कुछ अलग

देश विरोधी सोच

देश विरोधी सोच देश के राजनेता और राजनीतिक पार्टियों को जब अपने से ज्यादा दूसरे के हितों की किसी भी कारणवश चिन्ता सताए तो उस देश का बंटाधार होना निश्चित है। भारत सरकार अपने बड़े सुरक्षा रणनीतिक उद्देश्य के लिए ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के एकदम निकट स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त मागरे में से एक है। इस क्षेत्र में मजबूत मौजूदगी होने से भारत वैश्विक समुद्री मार्गो और हिन्द महासागर में चीनी गतिविधियों पर नजर रख सकेगा। चीन की चिन्ता को अपनी चिन्ता मानने वाले भारतीय नेताओं का सक्रिय होना स्वाभाविक है। इसीलिए जब रविवार को कांग्रेस के एक बड़े नेता और चीन के भारत में प्रचण्ड समर्थक जयराम रमेश ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर दोबारा अनुरोध किया कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया जाए क्योंकि इससे न सिर्प पर्यावरण को नुकसान होगा बल्कि स्थानीय आदिवासी समुदाय की भावनाओं की उपेक्षा भी होगी। दरअसल जयराम रमेश ने इस मेगा प्रोजेक्ट के खिलाफ पहले भी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर पाटी की तरफ से अपनी चिन्ता व्यक्त कर चुके हैं। इसके बाद पाटी के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने भी उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां भारत सरकार ने 92000 करोड़ रुपए से इस अति महत्वाकांक्षी परियोजना का श्री गणेश करने जा रही है। सवाल यूं ही नहीं पूछे जाते कि कांग्रेस और चीन के बीच यह वैसा रिश्ता है कि जब भी चीनी हितों को भारतीय नीति, रणनीति या निर्माण से चुनौती की संभावना होती है तो इस पाटी के नेताओं के पेट में ऐंठन शुरू हो जाती है। यह सच है कि पर्यावरण देश की बहुत बड़ी चिन्ता है किन्तु जो रणनीतिक अथवा व्यापारिक परियोजनाएं अपरिहार्य हैं।

अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी-2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुधूरवीय

व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुधूरवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है। भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर "चाइना प्लस वन" रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस "वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर" की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है। आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुधूरवीय बनाए रखने में सक्षम है।

देश दुनीया से

'नीट पेपर लीक' शर्मनाक और पीड़ादायक

जी हां, 'नीट' यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा-2026 का पेपर लीक होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया है। इस परीक्षा से उत्तीर्ण और चयनित विद्यार्थी डाक्टर बन कर देश के लोगों की सेहत का ख्याल रखते हैं लेकिन जब चयन प्रणाली व्यवस्था की सेहत अच्छी ना हो तो क्या किया जा सकता है? यह परीक्षा 'एनटीए' यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा संचालित की जाती है। यह घटना शर्मनाक ही नहीं बल्कि हमारे युवा विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत पर बिना किसी कसूर के पानी फिरना है। इस प्रकरण ने करोड़ों बच्चों और उनके परिजनों के त्याग, संघर्ष और सपनों और अरमानों की हत्या की है। इस प्रकरण ने विद्यार्थियों और उनके परिजनों को भीतर तक झकझोर कर रख दिया है। पेपर लीक होना, लोगों से धोखा होना भारतवर्ष में एक आम बात हो गई है। यह सरकारों और व्यवस्थाओं की नाकामी, परीक्षा प्रणाली की विफलता और बच्चों के सपनों की हत्या है चारों ओर व्यवस्थाओं की बदहाली का आलम और व्यवस्थाओं की नाकामियों का मातम है। यह पहली बार नहीं बल्कि पहले भी कई बार घटित होकर एक प्रचलन सा हो गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। भारतवर्ष में 'नीट' महज एक परीक्षा नहीं बल्कि एक वार्षिक उत्सव है जो कि मध्यम वर्गीय परिवारों के सपनों, संघर्षों तथा उन्नति की आकांशा का प्रतीक है। छोटे से गांवों, मुहल्लों और कस्बों से सीमित संसाधनों में कड़े परिश्रम तथा संघर्ष करने के बाद इस परीक्षा के दरवाजे पर पहुंचते हैं। ऐसे में इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का रद्द होना उन्हें जीते जी मार देने से कम नहीं है। यह विद्यार्थियों की मानसिक हत्या और उनके मनोबल को तोडने का अपराधिक मामला है। इस शर्मनाक घटना से करोड़ों विद्यार्थियों की आंखों में आंसू हैं। अभिभावक स्तब्ध और भौचक्के हो गए हैं। उनके सामने विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर संशय और असमंजसस की स्थिति है। एक से अधिक बार परीक्षा देने वाले और आशावान परीक्षार्थी मानसिक तनाव में हो चुके हैं। परीक्षा में दोबारा प्रस्तुत होने का अर्थ है कठोर मानसिक, बौद्धिक और

शारीरिक पीड़ा। फिर वही मानसिक दबाव, फिर वही तैयारी और फिर वही असमंजस की स्थिति। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में निष्पक्षता, अनैतिकता या किसी प्रकार का भ्रष्टाचार होना व्यवस्था पर भरोसा समाप्त होना ही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण ने व्यैक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक राजनैतिक तथा प्रशासनिक तंत्र की नींव हिला कर रख दी है। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह की घटनाएं होना आम बात हो गई हैं। अनेकों प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक, तकनीकी गड़बडियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं का शिकार हो चुकी हैं। प्रतियोगी अब ये समझने लगे हैं कि परीक्षाओं में सफलता, मेहनत तथा परिश्रम के दम पर नहीं बल्कि पैसा बहाने, भ्रष्टाचार, तकनीकी कमजोरियों, भ्रष्ट नेटवर्क तथा पेपर लीक होने से मिलती है। परीक्षाओं का विवादास्पद होना, लीक होना और रद्द हो जाना, मीडिया की धींगामुश्ती, आरोप-प्रत्यारोप, जांच एजेंसियों की कार्रवाई, माननीय न्यायालयों का हस्तक्षेप, तथा पुनः परीक्षा होना एक रिवायत सी हो गई है। कुछ भी हो लेकिन यह परीक्षार्थियों की प्रताडन्ना और उनके अरमानों की हत्या है। बार-बार ऐसा होने से अविश्वास पैदा होगा, अनैतिक प्रकरणों की पुनरावृत्ति होगी तथा समाज में अराजकता होगी। शैक्षिक, सामाजिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से यह बहुत ही संवेदनशील विषय है। यदि देश की सबसे महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं की गोपनीयता सुरक्षित नहीं है तो व्यवस्था, सरकार तथा प्रशासनिक तंत्र पर प्रश्न तो खड़े होंगे ही। पेपर लीक होने से देश के लगभग 400 से 500 करोड़ रुपए पर पानी फिर गया है। परीक्षा दोबारा होने से फिर इतना ही पैसा और खर्च होगा और अविश्वसनीयता और असमंजस फिर बना रहेगा। आवश्यक यह है कि इस पेपर लीक प्रकरण में गंभीरता से जाच होनी चाहिए और अपराधियों, साजिशकर्ताओं तथा दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानून कार्यवाही होनी चाहिए। यह एक अपराधिक मामला है जिसने करोड़ों जीवित युवाओं को अंधकार और असमंजसस की स्थिति में धकेल दिया है। उनके सपनों की हत्या की है और उनकी कड़ी मेहनत और तपस्या पर पानी फेर दिया है। ये घटनाएं राष्ट्रीय दृष्टि से शर्मनाक, खेदजनक और पीड़ादायक हैं। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण युवाओं के मनोबल को तोड़ते हैं और हताशा, निराशा, मानसिक अवसाद तथा आत्म हत्याओं के लिए उकसाते हैं। इस स्थिति में बच्चों के अभिभावकों को बहुत ही सजग तथा संवेदनशील होने की आवश्यकता है। यह समय अभिभावकों के लिए भी बहुत ही कष्ट, परेशानी और पीड़ादायक है इस समय उन्हें बहुत ही धैर्य से काम लेने की आवश्यकता है। अभिभावकों को अपने बच्चों का पूर्ण ध्यान रख कर उनके मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इस समय बच्चों के साथ संवेदनशील होने की आवश्यकता है। हैरानी है कि हम कैसे भारत में जी रहे हैं? जहां हम अनैतिक, अव्यावहारिक तरीके से योग्य उम्मीदवारों की छाती पर पांव रख कर, उन्हें रौंद कर सफलता की सीढियां चढन्ना चाहते हैं। यह युवाओं के भविष्य के साथ-साथ देश के भविष्य का भी सवाल है। परीक्षा माफिया, संगठित गिरोह तथा सरगना बेखौफ और बेलगाम होकर बार-बार बच्चों को निराश और हताश कर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह विषय राजनैतिक हितों से ऊपर है इसे केवल राजनैतिक चश्में से नहीं देखा जा सकता।

आप का नजरीया

महज पर्यावरण राज्य नहीं रह सकते

मसले पर्यावरण की छाती में छेद करेंगे, तो ग्रीन ट्रिब्यूनल तक पहुंचेंगे और विकास के खोटे नाम दिखाई देंगे। कुल्लू शहर में नेहरू पार्क के एक कोने पर बिछी डंपिंग की इबारत पढ़ी गई और साथ ही मैटीरियल रिकवरी सुविधा पर ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आंखें तरेरी हैं। यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि कुल्लू सीनियर सिटीजन काउंसिल के सरोकार हैं, जो पार्क को पार्क ही रहने की गुजारिश में ग्रीन ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट पहुंच गए, वरना नगर परिषद को पार्क जैसी जगह पर कूड़े-कचरे की छंटाई का शेड कहीं रास आ रहा था। ऐसे ही एक दूसरे मामले में परौर का राधास्वामी सत्संग की गतिविधियों पर एनजीटी की आपत्तियां सामने आई हैं। सत्संग की परिधि में घायल हुए जंगल की बात एक तरफ यहां तो विस्तार की ऐसी प्रथा शुरू हुई कि साथ बहते नाले और खड्डें तक आहत हो गईं यानी बरसात से पहले प्राकृतिक जल निकासी पर ही प्रहार हो गया। हिमाचल में ऐसे प्रभाव की निशानियां कमोबेश हर रास्ते पर खड़ी हैं। सडक़ें, मैदान और खड्डें डंपिंग ग्राउंड बनी हैं, तो इसकी वजह भी समझनी होगी। यहां कुल्लू नगर परिषद अपनी प्राथमिकताओं को मजबूरी समझ कर दायित्व के कचरे को वहां फेंक रही हैं, जहां शहर के फेफड़े नागरिकों को खुले में सांस का प्रबंध करते हैं। दूसरी ओर सत्संग के नाम पर लूट है या प्रभाव के कारण यह संस्था स्थानीय बेहतरी को गौण कर रही है। हिमाचल में ऐसी कुछ संस्थाएं दरअसल जमीन के साथ-साथ पर्यावरण की ही नहीं, बल्कि व्यवस्था की भी सौदागर बन रही हैं। परौर के समागम ऐसे मोड़ पर खड़े होते हैं कि आम यात्रियों के लिए यह समय कष्टकारी हो जाता है। बेशक सामाजिक तबके में राधास्वामी सत्संग की मान्यता का पुरुषार्थ काम करता है, लेकिन संस्थान के बाहर आम नागरिकों की रूह तपती है। संस्थान चाहता तो पूरे परौर गांव को गोद में लेकर शांति के कई उपवन स्थापित कर सकता था, लेकिन अब यह चारदीवारी के भीतर महिमामंडन का ऐसा प्रयोग बन रहा है, जो परिवेश के सहअस्तित्व के प्राकृतिक व सांस्कृतिक संयोग को ही दुर्योग में बदल रहा है।

कुल्लू शहर में नेहरू पार्क के एक कोने पर बिछी डंपिंग की इबारत पढ़ी गई और साथ ही मैटीरियल रिकवरी सुविधा पर ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आंखें तरेरी हैं। यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि कुल्लू सीनियर सिटीजन काउंसिल के सरोकार हैं, जो पार्क को पार्क ही रहने की गुजारिश में ग्रीन ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट पहुंच गए, वरना नगर परिषद को पार्क जैसी जगह पर कूड़े-कचरे की छंटाई का शेड कहीं रास आ रहा था। ऐसे ही एक दूसरे मामले में परौर का राधास्वामी सत्संग की गतिविधियों पर एनजीटी की आपत्तियां सामने आई हैं। सत्संग की परिधि में घायल हुए जंगल की बात एक तरफ यहां तो विस्तार की ऐसी प्रथा शुरू हुई कि साथ बहते नाले और खड्डें तक आहत हो गईं यानी बरसात से पहले प्राकृतिक जल निकासी पर ही प्रहार हो गया। हिमाचल में ऐसे प्रभाव की निशानियां कमोबेश हर रास्ते पर खड़ी हैं। सडक़ें, मैदान और खड्डें डंपिंग ग्राउंड बनी हैं, तो इसकी वजह भी समझनी होगी। यहां कुल्लू नगर परिषद अपनी प्राथमिकताओं को मजबूरी समझ कर दायित्व के कचरे को वहां फेंक रही हैं, जहां शहर के फेफड़े नागरिकों को खुले में सांस का प्रबंध करते हैं। दूसरी ओर सत्संग के नाम पर लूट है या प्रभाव के कारण यह संस्था स्थानीय बेहतरी को गौण कर रही है। हिमाचल में ऐसी कुछ संस्थाएं दरअसल जमीन के साथ-साथ पर्यावरण की ही नहीं, बल्कि व्यवस्था की भी सौदागर बन रही हैं।

बहरहाल, हम स्थानीय निकायों के दौर से निकल रहे हैं, अंततः ऐसे उदाहरणों पर जनता की राय को सशक्त कर सकते हैं। पर्यावरण के मसले जरूर उठाने चाहिएं, मगर यह एक तरफा मजबून नहीं हो सकते। हम पर्यावरण को पहाड़ या जंगल मानकर मानवजीवन की जरूरतों को पिंजरे में बंद नहीं कर सकते। हिमाचल ने जब वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सौ फीसदी हामी भरी तब हम मात्र पांच प्रतिशत शहरी थे। उस समय नौकरी केवल सरकारी या फौज में भर्ती की तैयारी थी। अब स्वरोजगार के लिए अतिरिक्त जगह चाहिए, व्यापार के लिए भूमि चाहिए, नागरिक सुविधाओं और प्रशासनिक ढांचे के लिए जमीन चाहिए। शहर बदल रहे हैं, गांव बड़े हो रहे हैं। हिमाचल आधुनिकता के बोध, आर्थिक क्षमता की ओर तथा संपन्नता के साथ गांव तक की तस्वीर बदल रहा है। वाहन अगर गांव-शहर की गली में नहीं घुसेंगे, तो सडक़ों पर आएंगे। आवासीय या व्यावसायिक दृष्टि से पहाड़ छंटेंगे, तो मलबा सडक़ों पर आएगा। अगर हिमाचल के ही पंजीकृत 25 लाख के करीब वाहनों को पार्किंग चाहिए, तो कितने वर्ग किलोमीटर जगह चाहिए और इसमें पर्यटक और बाहरी वाहन जोड़ दें, तो जगह खोजते ही रह जाएंगे। कुल्लू की तरह हर शहर को डंपिंग ग्राउंड चाहिए, तो यह जमीन जंगल की गोद से आएगी। विडंबना यह है कि हिमाचल को पर्यावरण राज्य बनाने की शर्तें थोपते-थोपते यह प्रदेश जंगल हो गया। यहां सुविधाओं के मुखौटे लिए सभी भाग रहे हैं, लेकिन जगह की पैमाइश कब पूरी होगी, कोई नहीं जानता। जाहिर है हिमाचल को जंगल से आय और जंगल से ही जमीन चाहिए, लेकिन इस हकीकत पर सरकारें कुछ खास करती नहीं।

दृष्टि कोण

महंगाई से आम आदमी की जेब ढीली

इन दिनों पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक भूराजनीतिक चुनौतियों के बीच देश में महंगाई बढन्ने की चुनौती उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए की वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल 2026 में थोक महंगाई बढक़र 8.3 प्रतिशत और खुदरा महंगाई बढक़र 3.48 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह महंगाई से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भी भारत में महंगाई बढन्ने के विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस बढ़ती हुई महंगाई से जहां आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन में मुश्किलें बढ़ रही हैं, वहीं अर्थव्यवस्था की विकास रफ्तार धीमी हो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली के दौरान वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर देशवासियों से पेट्रोल, डीजल और गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसे में पश्चिम एशियाई संकट के कारण नागरिकों को यह जिम्मेदारी निभानी होगी कि वे जहां तक संभव हो मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इलेक्ट्रिक कारों और कार पूलिंग को प्राथमिकता दें। साथ ही कोरोना काल की तरह वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग्स को बढ़ावा दें। देश और दुनिया के अर्थ विशेषज्ञ भी भारत को पश्चिम एशिया संकट के झटकों और वैश्विक अनिश्चितता के लिए खुद को तैयार रखने संबंधी टिप्पणियां करते हुए दिखाई दे रहे हैं। 13 मई को रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई का दबाव बढन्ने पर अब नीतिगत रीपो रेट में वृद्धि की कार्रवाई की जानी होगी। गौरतलब है कि इन दिनों पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं से भारत में महंगाई बढन्ने लगी है। उल्लेखनीय है कि 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ एक मई से 19

किलोग्राम के वाणिज्यक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए और 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 549 रुपए की बढ़ोतरी का असर रेस्टोरेंट, ढाबों और रोजमर्रा के काम में एलपीजी का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायों की लागत बढने के रूप में दिखाई देने लगा है। इस बड़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर होने से महंगाई बढन्ने लगी है। पेट्रोलियम मंत्रालय का आकलन है कि सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर हर माह करीब 30 हजार करोड़ रुपए का घाटा हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि जिस तेजी से दुनिया के विभिन्न देशों में महंगाई बढ़ रही है, उसकी तुलना में भारत में महंगाई बढन्ने की दर कम है, लेकिन महंगाई बढन्ने की प्रवृत्ति उभरकर दिखाई दे रही है। एशियाई विकास बैंक के द्वारा 10 मई को प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2026 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। इसी तरह प्रमुख कंसल्टेंसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशियाई संकट के कारण भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर को छू सकती है। उल्लेखनीय है कि 8 मई को क्रिसिल के द्वारा प्रकाशित ताजा 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2026 में घर पर बनी शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमत बढ़ गई है। देश में आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, रसोई से लेकर कपड़े और घरेलू उपकरण आदि महंगे होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जन सुरक्षा योजनाओं के 11 वर्ष पूर्ण, करोड़ों परिवारों को मिला सुरक्षा कवच

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई केंद्र सरकार की तीन प्रमुख जन सुरक्षा योजनाओं-प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना ने सामाजिक सुरक्षा के 11 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इन योजनाओं के माध्यम से देश के गरीब, श्रमिक और मध्यम वर्गीय परिवारों को कम लागत में बीमा और पेंशन सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। भाजपा राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता जगदीश (गुड्डु) सैनी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 27 करोड़ से अधिक, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक तथा अटल पेंशन योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए जा चुके हैं।

नीट परीक्षा का रद्द होना देश के लाखों युवाओं से छल : दिग्विजय चौटाला

सिरसा (हिंस)। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) नेता दिग्विजय चौटाला ने कहा कि देश में नीट का पेपल लीक होना और फिर रद्द होना सीधे तौर पर देश के लाखों युवाओं के साथ छल है और इसके पीछे सरकार की ढुलमुल नीतियां ही उत्तरदायी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री आजकल पंजाब में रूप बदल कर घूम रहे हैं। दिग्विजय सोमवार को सिरसा में मीडिया से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र की तर्ज पर ही हरियाणा में भी एचपीएससी ने भी युवाओं से उनके भविष्य को लेकर खिलवाड़ किया जा रहा है। निकाली जा रही नौकरियों के आवेदनों में अधिकांशत: बाहरी प्रदेशों के अभ्यर्थियों की नियुक्तियां सीधे तौर पर हरियाणा और हरियाणा के युवाओं से छलावा है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर यदि किसी पद के 100 आवेदन निकाले गए तो उसमें से केवल 10 फीसदी पदों

पर ही भर्ती की जाएगी और उसमें से भी अधिकांश पदों पर बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि अभ्यर्थियों ने पंचकुला में आगामी 20 मई को विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है जिसमें वे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इन दिनों हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब में राजनीतिक यात्रा कर रहे हैं, मगर वे उनसे सवाल करते हैं कि यदि पंजाब में उनकी सत्ता बनी तो क्या वे हरियाणा के हक के एसवाईएल का पानी हरियाणावासियों को दिलाने की गारंटी लेंगे ? पंजाब बीजेपी के मैनोफोस्टो में एसवाईएल का पानी हरियाणा को देने का जिक्र होगा ? उन्होंने छात्रसंघ के चुनावों का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए कहा कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक प्रदेश में प्रत्यक्ष रूप से छात्रसंघ के चुनाव घोषित नहीं होते। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी भाजपा से निजी रंजिश नहीं बल्कि उनकी नीतियों का विरोध है। भाजपा नेताओं द्वारा इन दिनों पेट्रोल डीजल बचाने की प्रधानमंत्री के आह्वान पर रेल, बस, रिक्शा आदि में सफर करने को केवल एक प्रोपेगेंडा बताया। इस अवसर जेजेपी जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी, राजेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

लुधियाना में विदेशी आकाओं के लिए काम कर रहे दो गुर्गे हथियारों के साथ गिरफ्तार

लुधियाना (हिंस)। लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पंजाब के साथ संयुक्त ऑपरेशन में अंतर्राष्ट्रीय आतंकी गैंगस्टर नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11 जिंदा कारतूसों सहित तीन अवैध पिस्तौलें मिली हैं, जिनमें दो .30 बोर और एक .315 बोर पिस्तौल हैं। पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अनुराज उर्फ गौरव मसीह और अंकुश के रूप में हुई है, जो दोनों फिल्लौर, जालंधर के रहने वाले हैं। गिरफ्तार किया गया अंकुश आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले थाना गोराया में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। पुलिस टीमों ने एक मोटरसाइकिल (बिना रजिस्ट्रेशन नंबर) भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वे आपराधिक गतिविधियों के लिए कर रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी जर्मनी और दुबई, यूएई से संचालित विदेशी हैंडलरों के निर्देशों पर काम कर रहे थे और उन्हें हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों की टारगेट शूटिंग का जिम्मा सौंपा गया था। डीजीपी ने कहा कि इस नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे जांच की जा रही है, ताकि इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा सके। पुलिस कमिश्नर (सीपी) लुधियाना स्वप्न शर्मा ने कहा कि सीआईए स्टाफ और काउंटर इंटेलिजेंस लुधियाना की संयुक्त पुलिस पार्टी ने थाना लाडोवाल के अधिकार क्षेत्र में नाका लगाया था। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को खुफिया सूचना मिली थी कि दो हथियारबंद व्यक्ति हार्डीज वर्ल्ड के पास खड़े हैं, जो किसी सनसनीखेज आपराधिक घटना को अंजाम देने की कोशिश में हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए रेड की और दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किए गए सदस्यों ने अपने कामकाज के बारे में खुलासे किए और बताया कि विदेशी हैंडलरों ने अपने नेटवर्क के जरिए इन सदस्यों को हाई-ग्रेड हथियार सप्लाई करवाए और उन्हें हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों की टारगेट शूटिंग का काम सौंपा गया था। इस संबंध में लुधियाना के लाडोवाल पुलिस थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 के तहत एफआईआर नंबर 91 दिनांक 17-05-2026 दर्ज की गई है।

काला हिरण शिकार केस में बचाव पक्ष के वकीलों ने मांगा समय

जोधपुर (हिंस)। बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान समेत अन्य फिल्मी सितारों से जुड़े इस चर्चित केस की सुनवाई न्यायाधीश रेखा बोराणा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान सलमान खान और अन्य कलाकारों सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने अदालत से अतिरिक्त समय मांगा। बचाव पक्ष का कहना था कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों, तथ्यों का और अध्ययन किया जाना बाकी है, इसलिए उन्हें तैयारी के लिए समय दिया जाए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले की

अगली सुनवाई 13 जुलाई को तय की है। दरअसल आज राज्य सरकार की अपील और सलमान खान की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई होनी थी। साल 1998 में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान जोधपुर के कांकाणी गांव में काला हिरण शिकार का मामला सामने आया था। इस मामले में सलमान खान को 5 साल की सजा हुई थी। मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट में आज दो मुख्य अपीलों में सुनवाई होनी थी। पहली अपील सलमान खान की ओर से अधीनस्थ कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। पूर्व में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने सलमान खान को 5 साल के कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था। दूसरी अपील राज्य सरकार की ओर से सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू, नीलम और दुष्यंत सिंह को बरी किए जाने के खिलाफ पेश लीव टू अपील में शामिल थी। एडवोकेट महिपाल विश्नोई ने बताया कि सलमान खान एवं अन्य आरोपी के वकीलों ने बहस के लिए समय देने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई को 13 जुलाई को नियत की है। अब इस प्रकरण से जुड़े सभी कानूनी पहलुओं, राज्य सरकार की अपीलों और सलमान खान की याचिकाओं पर आगामी 13 जुलाई को एक साथ विस्तृत सुनवाई की जाएगी।

बीएसएफ ने अमृतसर सेक्टर में 550 विद्यार्थियों के लिए लगाई हथियार प्रदर्शनी

अमृतसर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 181वीं बटालियन ने अमृतसर सेक्टर के बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) कहानगढ़ में महंत कौशल दास डीएवी पब्लिक स्कूल, नेष्टा के विद्यार्थियों के लिए सोमवार को हथियार प्रदर्शनी लगाई। सुबह 9 बजे से 11-30 बजे तक इस कार्यक्रम में कमांडेंट परमिंदर सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी गुरदीप संधू सहित अन्य अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। स्कूल के प्रिंसिपल गुरविंदर सिंह भाटी, शिक्षकगण और कुल 550 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान बीएसएफ द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न आधुनिक हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों को बीएसएफ के कार्य, अनुशासन और देश की सीमाओं की सुरक्षा में उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस

अवसर पर बीएसएफ पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। कमांडेंट परमिंदर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए देशभक्ति, अनुशासन और जागरूकता का संदेश दिया तथा बीएसएफ में उपलब्ध करियर अवसरों के बारे में जानकारी दी। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक रहा और उनमें देश सेवा तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत किया।

राजस्थानी भाषा संवैधानिक मान्यता की हकदार : प्रो. शर्मा

जोधपुर (हिंस)। राजस्थानी विश्व की समृद्धतम भाषाओं में एक है। पंद्रह सौ वर्षों का गौरवमयी साहित्यिक इतिहास जिसकी अनमोल धरोहर है। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने जिस राजस्थानी को प्राथमिक शिक्षा में अध्ययन अनिवार्य विषय करने के लिए राज्य सरकार को निर्देशित किया है वह राजस्थानी निश्चित रूप से संवैधानिक मान्यता की हकदार है। यह विचार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) पवन कुमार शर्मा ने राजस्थानी विभाग एवं राजस्थानी छात्र शोध परिषद द्वारा सोमवार को आयोजित चलकोई फाउंडेशन स्कॉलरशिप समारोह में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा में विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल है।

सरिस्का में बढ़ी बाघों की सक्रियता, शावकों के साथ घूम रहीं बाघिनें; वन विभाग ने जारी की चेतावनी

अलवर (हिंस)। सरिस्का टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। वन विभाग के अनुसार अलवर बफर वन क्षेत्र में वर्तमान में 11 बाघ एवं बाघिनों की सक्रिय मौजूदगी दर्ज की गई है। खास बात यह है कि कई बाघिनें अपने शावकों के साथ विचरण कर रही हैं, जिसके चलते वन क्षेत्र को संवेदनशील घोषित करते हुए लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। वन विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार बाघिन एसटी-19 अपने चार शावकों के साथ बारा लिवारी, श्योंदानपुरा, फायरिंग रेंज और जम्मूशाना क्षेत्र में घूम रही है। वहीं बाघिन स्ज्ञ-2302 अपने दो शावकों के साथ बाला किला, अंधेरी, किशन कुंड नाला और जयविलास क्षेत्र के आसपास सक्रिय देखी गई है। मुख्य वन संरक्षक संग्राम सिंह ने बताया कि शावकों की सुरक्षा के कारण बाघिनें इस समय अधिक आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं। ऐसे में जंगल क्षेत्रों में पैदल भ्रमण, ट्रैकिंग अथवा अवैध रूप से प्रवेश करना जानलेवा साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों, पर्यटकों और ट्रैकर्स से प्रतिबंधित वन क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करने तथा विभाग और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि सरिस्का टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 50 से अधिक बाघ, बाघिन और शावक मौजूद हैं। बाघों की बढ़ती संख्या को वन्यजीव संरक्षण की बड़ी सफलता माना जा रहा है, हालांकि इसके साथ मानव सुरक्षा और वन प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

दिल्ली नहर में कूदे उद्योगपति की पत्नी का शव मिला उद्यमी की तलाश जारी

पानीपत (हिंस)। पानीपत में सोमवार सुबह नहर में कूदे दंपति में से गोताखोरों ने महिला का शव तलाश लिया है। नहर में कूदने वाले उद्योगपति की तलाश अभी जारी है। उद्योगपति मुरारी लाल की पत्नी कमलेश का शव सोमवार की शाम बरामद कर लिया गया। मुरारी के भाई ने बताया कि सुबह जब मुरारी लाल के बच्चे उठे तो उन्होंने देखा कि घर में स्कूटी नहीं है। इसके बाद उन्होंने घर में मम्मी-पापा को भी नहीं देखा। तब उन दोनों की तलाश शुरू की तो कुछ देर बाद सूचना मिली कि उनकी स्कूटी पानीपत में नहर किनारे खड़ी है। सूचना मिलने पर पानीपत पहुंचे मुरारी लाल के बेटे गौरव ने बताया कि मम्मी-पापा के घर से निकलने और यहां पहुंचने तक की कोई जानकारी उन्हें नहीं थी। न ही दोनों में किसी प्रकार का कोई झगड़ा था। उनका व्यापार भी बहुत अच्छा चल रहा है। कोई किसी भी प्रकार की दिक्कत परेशानी नहीं थी। गौरव सिंगला ने बताया कि उसकी बहन सुमन के ससुराल में कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं है। इनका बिजनेस काफी अच्छा चल रहा था। अब वजह नहीं पता चल रही कि इन्होंने ये कदम क्यों उठाया। दोनों सुबह चार बजे बिना किसी को कुछ बताए वह यहां से निकले। प्रत्यक्षदर्शियों को लगा कि वह पूजा कर रहे थे। दोनों ने चप्पल भी स्कूटी पर उतारी। सुसाइड करने वालों को इतना होश नहीं रहता। हमें ये सुसाइड नहीं लग रहा।

बिहार की राजग सरकार के प्रति अल्पसंख्यक समुदाय का रुझान तेजी से बढ़ा है : विजय चौधरी

पटना (हिंस)। बिहार के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख लोगों की एक बैठक सोमवार को बिहार विधान परिषद में जदयू के वरिष्ठ सदस्य खालिद अनवर के सरकारी आवास पर हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बैठक को लेकर साफ किया कि यह बैठक कोई औपचारिक राजनीतिक मीटिंग नहीं थी, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय के प्रबुद्ध लोगों के साथ एक सौहार्दपूर्ण संवाद था। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वे अब दिखावे की राजनीति नहीं करेंगे। अल्पसंख्यक समुदाय का संकल्प है कि जो उनके विकास और हक के लिए धरातल पर काम करेगा, वे आगामी समय में उसी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। इस बीच उन्होंने राज्य में राजग सरकार के कार्यों पर संतोष जताते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के बदलते रुख का स्वागत किया और कहा कि यह बेहद खुशी और संतोष की बात है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रति इस वर्ग का रुझान बहुत तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने हमेशा से अल्पसंख्यक कल्याण और उनके उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। समुदाय के लोगों ने भी सरकार के इन सकारात्मक प्रयासों और विकास योजनाओं के प्रति अपनी संतुष्टि जाहिर की है।

वर्ल्ड एब्डोमिनल कैंसर डे पर जयपुर में जुटेंगे देशभर के विशेषज्ञ

जयपुर (हिंस)। वर्ल्ड एब्डोमिनल कैंसर डे के अवसर पर 19 मई को जयपुर में विशेष पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा। एब्डोमिनल कैंसर ट्रस्ट द्वारा फोर्टिस हॉस्पिटल्स एवं आईआईईएमआर के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम होटल हॉलिडे इन में होगा, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, जीआई ऑन्कोलॉजिस्ट, सर्जन एवं चिकित्सा विशेषज्ञ भाग लेंगे। एब्डोमिनल कैंसर डे के संस्थापक डॉ.संदीप जैन ने बताया कि कार्यक्रम में पेट से जुड़े कैंसरों की रोकथाम, शुरुआती पहचान, स्क्रीनिंग और एआई तकनीक आधारित आधुनिक जांच प्रणालियों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। आयोजन का उद्देश्य आमजन में एब्डोमिनल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व को रेखांकित करना है। इस कार्यक्रम के तहत *अर्ली डिटेक्शन ऑफ लुमिनल जीआई कैंसर एआई एंडोस्कोपी* विषय पर डॉ. एसएस शर्मा चर्चा करेंगे। वहीं पेशेंट एंड डायग्नोस्टिक डिले एंड एडवांस्ड जीआई कैंसर विषय पर डॉ. संदीप जैन अपने विचार रखेंगे। *प्रोफाइलेक्टिक*

कलेक्टोमी एंड प्रिवेंशन ऑफ गॉल ब्लैडर कैंसर विषय पर डॉ. आरके जेनॉ, डॉ. जीतेन्द्र चावला, डॉ. आर. भोजवानी, डॉ. राम डागा, डॉ. पंकज श्रीमल एवं प्रो. विके कपूर पैनल डिस्कशन करेंगे। इसके अलावा अर्ली स्क्रीनिंग कोलोनोस्कोपी एंड कोलोरेक्टल कैंसर विषय पर डॉ. सुधीर महात्रृषि, डॉ. एस. निजावण, डॉ. मुकेश कल्ला, डॉ. शालू गुप्ता, डॉ. जया माहेश्वरी एवं डॉ. सौरभ कालिया चर्चा करेंगे। *अल्कोहल रिलेटेड सिरोसिस*, एचसीसी एंड प्रिवेंशन विषय पर प्रो. वीए सारस्वत, डॉ. आर पोखैरना, डॉ. दिनेश अग्रवाल, डॉ. जयंत शर्मा, डॉ. निमेष मेहता, डॉ. मोनिका गुप्ता एवं डॉ. दिनेश भारती अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में डॉ. अरुण अग्रवाल, डॉ. आरएस केधर, डॉ. विपिन जैन, डॉ. हेमेंद्र शर्मा, डॉ. साकेत अग्रवाल, डॉ. नीरज नगाइच और डॉ. लोकेश गोयल सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।

उप्र सरकार के साथ बेंगलुरू में सजेगा *यूपी महोत्सव* का महामंच

21 से 24 मई 2026 तक आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में होगा भव्य आयोजन

लखनऊ (हिंस)। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के स्थापना के गौरवमयी 45 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर एक खास उत्सव की शुरुआत होने जा रही है। संस्था के तनुज नारायण, नमिता, नीरू शर्मा ने यूपी प्रेस क्लब में सोमवार को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन, संस्कृति और उद्योग विभाग के सहयोग से बेंगलुरू स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में 21 मई से 24 मई 2026 तक चार दिवसीय *यूपी महोत्सव* का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव वैश्विक आध्यात्मिक गुरु परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर उनकी पावन और दिव्य उपस्थिति में संपन्न होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी माने जाने वाले उत्तर प्रदेश की विविध कला, समृद्ध विरासत और वहां के सुप्रसिद्ध खानपान को वैश्विक पटल पर लाना है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों शिक्षक, स्वयंसेवक, साधक एवं परिवार इस महोत्सव में भाग लेने के लिए बेंगलुरू पहुंच रहे हैं। प्रतिभागियों की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश से

दो विशेष ट्रेनों की व्यवस्था भी की गई है, जो कानपुर, प्रयागराज एवं सतना मार्ग से बेंगलुरू तक संचालित होंगी। बड़ी संख्या में लोग इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से आश्रम पहुंचेंगे। महोत्सव के सांस्कृतिक सत्रों में उत्तर प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की अनूठी कला देखने को मिलेगी। शास्त्रीय गायन में बनारस घराने के प्रख्यात शीर्ष गायक, पद्मभूषण पंडित साजन मिश्रा के सुरों से अध्यात्म का प्रवाह होगा। पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव अपनी सुरीली आवाज में यूपी के पारंपरिक और माटी से जुड़े लोक गीतों की प्रस्तुति देंगी। राजधानी लखनऊ के भातखंडे विश्वविद्यालय की डॉ. आरती और उनकी टीम की ओर से कथक की भावपूर्ण और भव्य प्रस्तुति दी जाएगी। गीतांजलि और उनकी टीम की ओर से भगवान कृष्ण की पावन धरा के जीवंत *ब्रज रास* का अलौकिक प्रदर्शन किया जाएगा। संस्था के तनुज नारायण ने बताया कि इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण उत्तर प्रदेश का समृद्ध और डाइवर्स फूड कल्चर होगा। आगंतुकों को अवध के नवाबी पकवानों से लेकर, बनारस की चाट, ब्रज के पेड़े और यूपी के पारंपरिक स्ट्रीट फूड का प्रामाणिक स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। यह फूड फेस्टिवल लोगों को उत्तर प्रदेश की समृद्ध पाक-कला से रूबरू कराएगा। सांस्कृतिक और फूड फेस्टिवल के साथ-साथ, यहां आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा हर आयु वर्ग के लिए विशेष कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। बच्चों और वयस्कों के लिए मानसिक स्वास्थ्य, तनाव मुक्ति, योग, ध्यान और सुदर्शन क्रिया के विशेष सत्र आयोजित होंगे, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सकारात्मकता का संचार करेंगे। बच्चों एवं किशोरों के लिए विशेष मेधा योगा, उत्कर्ष योग एवं इन्ट्यूशन प्रोसेस कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विशेष रूप से फर्रुखाबाद आश्रम के गुरुकुल से लगभग 70 बच्चे इस महोत्सव में भाग लेने के लिए बेंगलुरू पहुंचेंगे। बच्चों की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक जीवंत, प्रेरणादायी एवं पारिवारिक स्वरूप प्रदान करेगी। आयोजन समिति के अनुसार, यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि *सेवा, साधना और उत्सव* का एक विराट अनुभव होगा, जहां देश-विदेश से आए लोग भारतीय आध्यात्मिकता, सामूहिकता और सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव कर सकेंगे।

25 मई तक चलेगा *जनजातीय गरिमा उत्सव 2026*, गांव-गांव लगेगा योजनाओं का शिविर

पूर्णिया (हिंस)। जनजातीय गरिमा उत्सव-2026 के तहत पूर्णिया जिले में *जन भागीदारी सबसे दूर सबसे पहले* अभियान की शुरुआत सोमवार को हुई। यह अभियान 25 मई तक जनजातीय बाहुल्य गांवों में चलाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग बिहार तथा पूर्णिया जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। समाहरणालय स्थित महानंदा सभागार में उप विकास आयुक्त सह प्रभारी जिला पदाधिकारी अंजनी कुमार ने दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता भी की। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान जनजातीय क्षेत्रों में विशेष

शिविर लगाकर आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान, पीएम उज्ज्वला, पीएम जनधन, राशन कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदाय के लोगों की समस्याओं को भी शिविरों के माध्यम से सुना जाएगा और उनके त्वरित निष्पादन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

भारतीय बाजार में नई काम्पैक्ट एसयूवी पेश करेगी होंडा

नई दिल्ली

काम्पैक्ट एसयूवी की बढ़ती मांग को देखते हुए होंडा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। होंडा कंपनी वर्ष 2028 तक भारतीय बाजार में एक नई काम्पैक्ट एसयूवी पेश करेगी। डब्ल्यूआर-वी के बंद होने के बाद कंपनी की सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में मौजूदगी लगभग खत्म हो गई थी। इस घोषणा से होंडा एक बार फिर इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खंड में वापसी की तैयारी कर रही है। कंपनी ने अपनी हालिया वित्तीय बैठक के दौरान यह जानकारी साझा की, जो भारतीय ग्राहकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। भारतीय ग्राहकों के बीच काम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, वे बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस, आधुनिक तकनीक, आरामदायक ड्राइविंग अनुभव और काम्पैक्ट आकार के साथ मजबूत उपस्थिति वाली छोटी एसयूवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। माना जा रहा है कि नई होंडा एसयूवी में अत्याधुनिक फीचर्स, बेहतर माइलेज और एक आकर्षक डिजाइन देखने को मिलेगा, जो इसे बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

हालांकि, कंपनी ने अभी तक इसके इंजन विकल्पों या अन्य तकनीकी जानकारियों का खुलासा नहीं किया है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उत्पादों की कमी के कारण होंडा की बिक्री प्रभावित हुई थी।

होंडा ने मैक्सी स्कूटर एयर ब्लेड भारत में कराया पेटेंट

नई दिल्ली। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपने लोकप्रिय मैक्सी-स्कूटर, होंडा एयर ब्लेड, का भारत में पेटेंट दर्ज कराया है। भविष्य में भारतीय ग्राहकों के लिए होंडा कंपनी यह नया स्पोर्टी स्कूटर पेश कर सकती है। वैश्विक बाजारों में, होंडा एयर ब्लेड 125 सीसी और 160 सीसी के दो इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। ये दोनों माडल अपने आकर्षक स्पोर्टी डिजाइन और आधुनिक फीचर्स के कारण युवाओं के बीच खासे लोकप्रिय हैं। जहां 125 सीसी माडल लगभग 11.8 अश्वशक्ति की ताकत प्रदान करता है, वहीं इसका अधिक शक्तिशाली 160 सीसी संस्करण 15.2 अश्वशक्ति तक की शक्ति उत्पन्न करता है। भारत में कंपनी द्वारा अधिक शक्तिशाली 160 सीसी माडल को पेश किए जाने की संभावना है, जो भारतीय सड़कों और ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप होगा। स्कूटर में अंडरबोन फ्रेम दिया गया है, साथ ही टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और ड्यूल रियर शाक एब्जार्बर इसे बेहतर राइड क्वालिटी प्रदान करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिस्को एआई के चलते करीब 4,000 नौकरियों में कटौती करेगी

नई दिल्ली। दिग्गज टेक्नोलाजी कंपनी सिस्को ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य हाई ग्रोथ टेक्नोलाजी पर फोकस के कारण वैश्विक स्तर पर करीब 4,000 नौकरियों में छंटनी का ऐलान कर दिया है। कंपनी के ग्लोबल वर्कफोर्स के 5 प्रतिशत से भी कम लोगों को प्रभावित करने वाली छंटनी की जानकारी सीईओ चक राबिन्स और कार्यकारी नेतृत्व टीम ने तीसरी तिमाही के नतीजों के साथ जारी एक इंटरनल मेमो में दी। राबिन्स ने कहा एआई युग में वही कंपनियां सफल होंगी जो लक्ष्य-केंद्रित, तेज और निरंतर निवेश को उन क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित करने के लिए अनुशासित होंगी जहां मांग और दीर्घकालिक मूल्य सृजन सबसे मजबूत है। कंपनी ने कहा कि प्रभावित अधिकांश कर्मचारियों को 14 मई से सूचनाएं मिलनी शुरू हो जाएगी, और यह प्रक्रिया स्थानीय कानूनों और विनियमों के अनुसार वैश्विक स्तर पर की जाएगी। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2026 के आनुपातिक बोनस, विच्छेद सहायता और कंपनी के प्लेसमेंट सेवा कार्यक्रम तक पहुंच प्राप्त होगी। कंपनी ने बताया कि उसके प्लेसमेंट सेवा कार्यक्रम ने लगभग 75 प्रतिशत प्रतिभागियों को नई नौकरियां प्राप्त करने में मदद की है। नेटवर्किंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने बताया कि पुनर्गठन से प्रभावित कर्मचारियों को एआई, साइबर सुरक्षा, नेटवर्किंग और संबंधित प्रौद्योगिकियों को कवर करने वाले सिस्को यू कार्स और सर्टिफिकेट्स तक एक वर्ष की पहुंच प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, सिस्को ने 15.8 अरब डालर का रिकार्ड तिमाही राजस्व दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है।

टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर, लो-लेटेंसी व एआई-तैयार सेवाओं पर फोकस; रेलटेल से 20 वर्षीय राजस्व-साझेदारी

नई दिल्ली। टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी (टीईईसीएल) की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कारपोरेशन आफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है। टेक्नो डिजिटल के एक अधिकारी ने बताया कि यह निवेश कंपनी की 1 अरब डालर की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें देशभर में हाइपरस्केल व एज डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। वित्त वर्ष 2026-27 तक इस योजना का आधा से अधिक निवेश चेन्नई, नोएडा और कोलकाता के हाइपरस्केल परिसरों सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में कंपनी इंदौर, विशाखापत्तनम, चंडीगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में भी विस्तार की योजना बना रही है।

टाटा अल्ट्रोज का सीएनजी संस्करण एएमटी के साथ लान्च

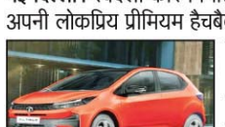

नई दिल्ली। स्वदेशी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक, टाटा अल्ट्रोज के सीएनजी संस्करण को अब स्वचालित मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) के साथ लान्च कर दिया है। इससे पहले अल्ट्रोज सीएनजी केवल मैनुअल गियरबाक्स विकल्प में ही उपलब्ध थी। नई एएमटी तकनीक के साथ, चालक अब बिना क्लच दबाए गियर बदल सकेंगे, जिससे शहरों में भारी ट्रैफिक के दौरान ड्राइविंग का अनुभव काफी अधिक आरामदायक और सुविधाजनक हो जाएगा। इस कार में 1.2 लीटर आई-सीएनजी इंजन दिया गया है, जो 73.5 पीएस की शक्ति और 103 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है, जो शहरी और हाईवे ड्राइविंग दोनों के लिए पर्याप्त है। कंपनी ने इसमें कई अत्याधुनिक फीचर्स को शामिल किया है, जिनमें एलईडी डीआरएल, 360 डिग्री कैमरा, 16 इंच के अलाय व्हील, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्रायड आटो और एप्पल कार प्ले कनेक्टिविटी, एयर प्यूरीफायर और एक इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। अल्ट्रोज सीएनजी की एक और खास बात इसमें दी गई डुअल सिलेंडर तकनीक है, जो पारंपरिक सीएनजी कारों की तुलना में बेहतर बूट स्पेस प्रदान करती है, जिससे ग्राहकों को सामान रखने में कोई समझौता नहीं करना पड़ता।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ एक बार फिर मिलिट्री एक्शन शुरू करने की चेतावनी देने के कारण दुनिया भर के बाजार में तनाव का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में दोबारा सख्त मिलिट्री एक्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अमेरिका एक पाजिटिव डील चाहता है, लेकिन अगर कोई ढंग का प्रस्ताव नहीं मिला, तो ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक बार फिर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका बन गई है, जिसकी वजह से दुनिया भर के बाजार में डर का माहौल बना हुआ है। इसी डर की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 92.74 अंक यानी 1.24 प्रतिशत टूट कर 7,408.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 410.08 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,225.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 407.80 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,118.37 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 177.56 अंक यानी 1.74 प्रतिशत टूट कर 10,195.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 129.72 अंक यानी 1.63 प्रतिशत फिसल कर 7,952.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 505.69 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,950.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता कोस्पी इंडेक्स फिलहाल 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,547.72 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 160 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,548 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,962.54 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 270.25 यानी 4.02 प्रतिशत लुढ़क कर 6,453.07 अंक के स्तर तक आ गया है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 436.73 अंक यानी 1.68 प्रतिशत टूट कर 25,526 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 501.39 अंक यानी 1.22 प्रतिशत फिसल कर 40,670.97 के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 678.29 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,731 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,121.51 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत टूट कर 1,516.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा

नई दिल्ली

देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है।

कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे। अदाणी ने जोर दिया कि कंपनी अब पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भविष्य में नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई रणनीति के साथ, कंपनी तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी। भविष्य की विस्तार रणनीति के तहत, अंबुजा सीमेंट अधिग्रहण के अवसरों का मूल्यांकन करती रहेगी, लेकिन उसकी प्राथमिकता आंतरिक परियोजनाओं के विस्तार पर होगी।

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उबाल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर सख्त बयान ने वैश्विक बाजारों में भारी उथल-पुथल मचा दी है। कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार ने बड़ी गिरावट दर्ज की है। बढ़ती बान्ड यील्ड ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे जोखिम वाली संपत्तियों से पैसा निकला है, और बाजार को अब दोतरफा राजनीतिक व आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी चढ़कर 111.4 डालर प्रति बैरल और अमेरिकी कच्चा तेल (डब्ल्यूटीआई) 2.4 फीसदी से अधिक बढ़कर 108 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह उछाल पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के बीच आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान को जल्दी कदम उठाने की चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है, जिससे निवेशकों की चिंताएं गहरा गई हैं। बाजार को डर है कि अगर स्थिति और खराब हुई तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेजी के बीच अमेरिकी शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज लगभग 540 अंक लुढ़का, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.5 फीसदी टूट गया, जो मार्च के बाद उसकी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट थी।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी लगातार चौथे दिन कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,57,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में आया उछाल

नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब वैश्विक आटोमोबाइल उद्योग पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। पारंपरिक पेट्रोल और डीजल वाहनों के बजाय दुनियाभर में लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती ईंधन लागत, पर्यावरण संरक्षण को लेकर बढ़ती जागरूकता और सरकारों की प्रोत्साहन योजनाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता को नई गति दी है।

हाल ही में जारी बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2026 में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन और प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों का वैश्विक पंजीकरण छह प्रतिशत बढ़कर लगभग 16 लाख यूनिट तक पहुंच गया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं को वैकल्पिक और कम खर्चीले परिवहन साधनों की ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि अब बड़ी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक वाहनों को भविष्य का सुरक्षित विकल्प मानने लगे हैं। यूरोप में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली है। यहां अप्रैल 2026 में बिक्री 27 प्रतिशत बढ़कर करीब चार लाख यूनिट तक पहुंच गई। यूरोपीय देशों की सख्त पर्यावरण नीतियां, कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य और सरकारी सब्सिडी इस वृद्धि के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

दूसरी ओर चीन में घरेलू बिक्री में कुछ गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि वहां इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली कर छूट और ट्रेड-इन प्रोत्साहन योजनाओं को सीमित कर दिया गया है। हालांकि इसके बावजूद चीनी कंपनियों ने विदेशी बाजारों में निर्यात बढ़ाकर अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी है। अमेरिका में कर छूट समाप्त होने और नए उत्सर्जन नियमों के कारण बिक्री में कमी देखी गई, जबकि मेक्सिको जैसे उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। जानकारों का कहना है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, बैटरी तकनीक में सुधार और सरकारों की नीतिगत सहायता आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को और बढ़ाएगी।

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : सौरव गांगुली

कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और आस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी।

यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में आलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का आलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरुरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन। इंग्लैंड की फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग साकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डालर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है। बेकहम एडिडास और ह्यूगो बास जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फार्मूला 1 बास बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लराय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

ऋषभ को टेस्ट प्रारुप में उपकप्तानी से हटा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। पिछले कुछ समय से लगातार फार्म से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब उन्हें टेस्ट मैच में उपकप्तानी से भी हटाने पर विचार कर रहा है।

बीसीसीआई मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित करने वाला है। जून में होने वाले इस मैच के लिए ऋषभ को शायद ही उपकप्तान रखा जाये। यह एकमात्र टेस्ट मैच 6 से 10 जून के बीच खेला जाएगा, जिसके बाद तीन एकदिवीसय मैच 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे। उसमें भी उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारुप में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। गौरतलब है कि जिस प्रकार से ऋषभ की कप्तानी में लगातार दूसरे सत्र में भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल में असफल हुई है। उससे ऋषभ बोर्ड का भरोसा खो चुके हैं। लीग में वह न तो रन बना पाये और न ही टीम को जीत दिला पाये। उनकी कप्तानी भी बेहद खराब रही। टीम जहां पिछले सत्र में सातवें नंबर पर रही थी। वहीं इस सत्र में दसवें स्थान पर खिसक गयी। अब तक के दोनो ही सत्र में उनकी कप्तानी पर सवाल उठे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड को मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी से उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। ऐसे में चयनकर्ता नहीं चाहते कि उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हो।

विश्वकप नहीं खेल पाये ईशांत, लक्ष्मण सहित ये क्रिकेटर

मुम्बई

भारतीय टीम में शामिल हर क्रिकेटर का सपना है होता है कि वह विश्वकप में खेले और विजेता टीम का हिस्सा बने पर कई क्रिकेटर इस मामले में खुशनसीब नहीं रहे। ईशांत शर्मा, इरफान पठान, वीवीएस लक्ष्मग से लेकर अंबाती रायुडू और पार्थिव पटेल ऐसे क्रिकेटर रहे हैं जिन्हें अच्छे प्रदर्शन के बाद भी विश्वकप टीम में कभी अवसर नहीं मिला। इस सूची में पहला नाम तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का है। अपनी शुरुआती रफ्तार और घातक स्विंग से उन्होंने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और उन्हें देखकर लगता था कि वे एकदिवसय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बनेंगे। लेकिन किस्मत ने कभी उन्हें विश्व कप खेलने का मौका नहीं दिया। अपने एकदिवसय करियर के दूसरे हिस्से में इशांत काफी महंगे साबित होने लगे, जिससे टीम में उनकी जगह पर सवाल उठने लगे। साल 2015 के विश्व कप में उन्हें टीम में चुने जाने का पूरा मौका था, लेकिन ऐन वक्त पर लगी चोट उनके लिए एक बड़ा झटका साबित हुई, जिसने उन्हें विश्व कप से बाहर कर दिया।

100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने और 115 एकदिवसीय विकेट लेने के बावजूद, विश्व कप में वह नहीं खेल पाये। इरफान पठान भी ऐसे ही क्रिकेटर रहे। भारतीय टीम में अपने शुरुआती दिनों में इरफान नई गेंद से दुनिया के सबसे खतरनाक स्विंग गेंदबाजों में से एक थे, उन्होंने टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया था।

लेकिन, आलराउंडर बनने के प्रयास और बार-बार चोटिल होने की वजह से उनकी गेंदबाजी की चमक कम हो गई। वे 2007 के विश्व कप की भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन भारत के शुरुआती दौर में ही बाहर होने के बावजूद, उन्हें उन 3 मैचों में से एक में भी अंतिम इलेवन में शामिल नहीं किया गया।

वहीं साल 2019 के विश्व कप में अंबाती रायुडू को अंतिम समय में टीम से बाहर कर दिया गया। रायुडू मध्य क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज थे, उनका 47 से अधिक का एकदिवसीय बल्लेबाजी औसत था पर चयनकर्ताओं ने उनकी जगह विजय शंकर को शामिल कर लिया जिसकी काफी लोचना हुई। विश्व कप टीम से बाहर होने के बाद निराशा में रायुडू ने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने अपने वनडे करियर में 3 शतकों के साथ 1694 रन बनाए, लेकिन विश्व कप खेलने का उनका सपना अधूरा ही रह गया।

पार्थिव पटेल एक ऐसे बाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर थे पर उस समय टीम में विकेटकीपरों के लिए काफी प्रतिस्पर्ध थी। राहुल द्रविड़, दिनेश कार्तिक और फिर महेन्द्र धोनी के आने से पार्थिव का करियर लंबा नहीं चला। पार्थिव को 2003 के विश्व कप टीम में चुना तो गया था पर अंत समय पर कप्तान सौरव गांगुली ने राहुल द्रविड़ से विकेटकीपिंग कराने का फैसला किया। इस वजह से पार्थिव पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ बेंच पर बैठे रहे।

इसके बाद एमएस धोनी के आने से पार्थिव के रास्ते हमेशा के लिए बंद हो गए। उन्होंने 38 वनडे मैचों में 736 रन बनाए, लेकिन कभी विश्व कप के मैदान पर नहीं उतर सके।

इस सूची में सबसे बड़ा नाम महान बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का है। लक्ष्मण टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक हैं, जिन्होंने 130 से ज्यादा टेस्ट मैचों में 8000 से अधिक रन बनाए पर एकदिवसी क्रिकेट में उनका प्रभाव कम रहा।

साल 2003 के विश्व कप में लक्ष्मण का चुना जाना लगभग पक्का था पर चयन समिति ने अंतिम समय पर उनकी जगह दिनेश मोंगिया को टीम में शामिल कर लिया। यह फैसला हर किसी के लिए चौंकाने वाला था। लक्ष्मण ने भारत के लिए 86 वनडे मैच खेले, लेकिन टेस्ट क्रिकेट का यह महान खिलाड़ी कभी विश्व कप का एक भी मैच नहीं खेल पाया। ये पांचों क्रिकेटर अपनी-अपनी प्रतिभा और योगदान के लिए जाने जाते हैं, लेकिन विश्व कप में खेलने का उनका सपना एक पूरा नहीं हो पाया।

ग्रीन ने केकेआर के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन का कारण बताया

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आलराउंडर कैमरून ग्रीन ने आईपीएल के इस सत्र में टीम के शुरुआत में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने का कारण बताया है। ग्रीन ने कहा कि टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिका तय करने में काफी समय लगा दिया गया था जिससे कारण भी टीम पिछड़ गयी।

साथ ही कहा कि एक बार सही संयोजित बैठने के बाद टीम ने लय हासिल कर ली। केकेआर ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज कर प्लेआफ के लिए अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है।

ग्रीन ने बताया, टीम के अंदर किसी तरह की आशंका नहीं थी। मुझे लगता है कि हमने खिलाड़ियों की सही भूमिका और बल्लेबाजी क्रम में उनके स्थान को तय करने में थोड़ा ज्यादा समय लगा दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम में सभी खिलाड़ी प्रतिभाशाली हैं पर उनके लिए सही जगह खोजना ही असली चुनौती थी। ग्रीन ने स्वयं अपनी बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने भी नंबर तीन पर अच्छी बल्लेबाजी की।

ग्रीन ने कहा, अब हमने अपनी जगह तय कर ली है और इसीलिए हम खुद को थोड़ा मौका दे रहे हैं। इस स्पष्टता के बाद ही टीम का बेहतर प्रदर्शन होने लगा है। केकेआर ने हाल ही में गुजरात टाइटंस के सामने खेले गए मुकाबले में शानदार खेल दिखाया, जहां कैमरून ग्रीन ने नाबाद 52 रन की आक्रामक पारी खेली। केकेआर इस सीजन में अब तक 12 मैच खेल चुकी है। इनमें से टीम को 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया और पांच में उसने जीत दर्ज की है। टीम के पास अभी 11 अंक हैं और वह अंक तालिका में सातवें नंबर पर है।

जर्मनी में बुंदेशलीगा फुटबाल

जर्मनी में बुंदेशलीगा फुटबाल में खेलते हुए एसवी इलवर्सबर्ग व प्रीयूसेन मुऐनस्टर के बीच मैच में इसवी के बेंबेस कोंटे गोल दागने के बाद खुशी जताते हुए।

बेटे मयास के इंजीनियर बनने से गर्व का अनुभव हुआ : कुंबले

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे अनिल कुंबले अपने बेटे के इंजीनियर बनने से बेहद खुश है। उनके बेटे मयास कुंबले ने बचपन में इंजीनियर बनने का जो सपना देखा था। उसके पूरा होने से परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर कुंबले और उनकी पत्नी चेतना सोशल मीडिया पर बेहद भावुक साझा किया है। इसमें इन दोनो ने अपने बेटे की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया है। यह कहानी सिर्फ एक इंजीनियर बनने की नहीं, बल्कि एक बच्चे के बचपन के सपने को पूरा करने के लिए लगन और माता-पिता के समर्थन की है।

कुंबल की पत्नी ने सोशल मीडिया में मयास के इंजीनियर बनने के कठिन सफर को बताया है। उन्होंने कहा कि मयास में बचपन से ही इंजीनियरिंग के प्रति जुनून था। जब वह तीन साल का था। तभी से उनके मन में यह बात साफ थी कि वह बड़े होकर क्या बनना चाहता है। चेतना लिखती हैं, वह उसी दृढ़ता के साथ कहता, जो सिर्फ एक बच्चे में हो सकती है, मैं इंजीनियर बनूंगा। वे अपने छोटे हाथों में एक रिंच उठाकर पूरे आत्मविश्वास से घोषणा करते थे कि एक दिन वे एक नया स्कूटर बनाएंगे। सात साल की उम्र तक आते-आते उनके सपने और बड़े हो गए; वे कारें डिजाइन करना चाहते थे । यह उनके शुरुआती जीवन की एक ऐसी स्पष्टता थी, जिस पर माता-पिता के रूप में हम अक्सर मुस्कुराते थे, यह सोचते हुए कि आने वाला समय क्या लेकर आएगा।

चेतना ने साथ ही लिखा कि मयास को इंजीनियर के रूप में ग्रेजुएट होते देख उन्हें एक बेहद खूबसूरत बात का एहसास हुआ कि कभी-कभी बच्चे दुनिया के जानने से बहुत पहले ही यह जानते हैं कि वे वास्तव में कौन हैं। उन्होंने मयास की कड़ी मेहनत को रेखांकित करते हुए लिखा, साल बीतते गए, कड़ी मेहनत हुई, रातों की नींदें उड़ीं और आईं, लेकिन उस छोटे लड़के ने कभी अपने सपने को हाथ से जाने नहीं दिया। चेतना के दिल में गर्व, कृतज्ञता और भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। उन्होंने कहा, तुम्हें हाथ में औजार लिए एक जिज्ञासु छोटे बच्चे से लेकर दिल में एक मकसद लिए एक इंजीनियर बनते देखना मेरे जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक रहा है। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, मेरे बच्चे। तुमने सपना देखा, उस पर विश्वास किया और उसे सच कर दिखाया। गौरतलब है कि दिग्गज स्पिनर कुंबले स्वयं एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं। उनके लिए बेटे का इंजीनिकयर बनना गर्व का पल है। उन्होंने अपनी पत्नी के पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मुझे तुम पर गर्व है, मेरे बेटे !! पिता के नक्शेकदम पर चल रहे हो... बधाई हो। इसे अपना बना लो !! यह संदेश उनके बेटे की उपलब्धि पर उनकी खुशी और बेटे के भविष्य के लिए शुभकामनाओं को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

आईपीएल 2026 प्लेआफ समीकरण: बेंगलुरु पहुंची अंतिम-4 में, बाकी सात टीमों के बीच कड़ी जंग

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। रायल चैलेंजर बेंगलुरु ने अंतिम-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी तीन स्थानों के लिए सात टीमों के बीच जबरदस्त जंग जारी है। वहीं मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

रायल चैलेंजर बेंगलुरु - बेंगलुरु की टीम अब शीर्ष-दो में जगह बनाने की मजबूत दावेदार है। अगर चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद को हरा देती है या फिर गुजरात को मात देती है, तो बेंगलुरु का शीर्ष-दो में रहना लगभग तय हो जाएगा। यदि बेंगलुरु अपने अंतिम लीग मुकाबले में हैदराबाद को हराती है, तो टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर समाप्त करेगी।

गुजरात टाइटंस - गुजरात के पास अंतिम-4 में पहुंचने का शानदार मौका है। टीम अपने आखिरी मुकाबले में चेन्नई को हराकर स्थिति मजबूत कर सकती है। यदि हैदराबाद अपने शेष मैचों में से एक हार जाती है, तो गुजरात शीर्ष-दो में भी पहुंच सकती है।

सनराइजर्स हैदराबाद - हैदराबाद यदि चेन्नई को हरा देती है तो उसका अंतिम-4 में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा। अगर टीम चेन्नई से हारकर बेंगलुरु को हराती है, तब भी उसके पास क्वालिफाई करने का अच्छा मौका रहेगा, लेकिन इसके लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों पर भी नजर रखनी होगी।

पंजाब किंग्स - पंजाब के लिए राह अभी खुली हुई है। टीम को अपने आखिरी मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही यह उम्मीद करनी होगी कि हैदराबाद, चेन्नई और राजस्थान में से ज्यादा टीमें आगे न निकलें।

कुछ विशेष समीकरण बनने पर पंजाब कम अंकों के साथ भी अंतिम-4 में पहुंच सकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स - चेन्नई के सामने करो या मरो की स्थिति है। टीम अगर अपने दोनों शेष मुकाबले जीत जाती है तो प्लेआफ में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत हो जाएगी।

हालांकि एक हार भी उसकी राह कठिन बना सकती है और फिर उसे दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

राजस्थान रायल्स - राजस्थान को अंतिम-4 में पहुंचने के लिए अपने दोनों मुकाबले जीतना बेहद जरूरी है। अगर टीम एक मैच हारती है तो उसके लिए स्थिति काफी जटिल हो जाएगी और फिर अन्य टीमों की हार पर निर्भर रहना पड़ेगा।

कोलकाता नाइट राइडर्स - कोलकाता की उम्मीदें अभी भी कायम हैं। टीम को अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे। साथ ही पंजाब और राजस्थान के कुछ मुकाबलों के नतीजे उसके पक्ष में जाने जरूरी होंगे। कम अंकों पर भी कोलकाता के पास मौका है, लेकिन नेट रन रेट यहां अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स - दिल्ली की राह सबसे कठिन नजर आ रही है। टीम को अपना आखिरी मुकाबला जीतना होगा और साथ ही कई अन्य परिणाम अपने पक्ष में चाहिए होंगे। दिल्ली का नेट रन रेट काफी खराब है, इसलिए बराबरी की स्थिति में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अंक तालिका की स्थिति - अंक तालिका की बात करें तो रायल चैलेंजर बैंगलोर 3 मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ पहले स्थान पर है और प्लेआफ में पहुंच चुकी है। गुजरात 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि हैदराबाद 14 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद है।

छोटी-छोटी आदतें ले आएंगी लक्ष्मी...

घर और लक्ष्मी जीवन की भौतिक आवश्यकता है। इन्हें पाने के लिए व्यक्ति दिन रात एक करता है लेकिन कई बार जाने-अनजाने में हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे काम कर जाते हैं जिनसे हमें प्राप्त होती है लक्ष्मी। यहां हम ऐसे ही कामों के बारे में जानेंगे। घर में सुंदर मंदिर बनाना और उसे सजा कर रखना लक्ष्मी प्राप्ति का सरलतम माध्यम है। भगवान के दर्शन मात्र से ही कई जन्मों के पापों का प्रभाव नष्ट हो जाता है। इसी वजह से घर में भी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखने की परंपरा है। इस कारण घर में छोटा मंदिर होता है और उस मंदिर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखी जाती हैं। यदि आप उन प्रतिमाओं को साफ और व्यस्थित रखते हैं तो इससे शुभ प्रभाव पड़ेगा। इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद तो प्राप्त होगा ही साथ ही नव ग्रह भी आपके अनुकूल होंगे। भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का रूप माना जाता है। तभी तो कहा गया है अतिथि देवो भवः घर आया अतिथि चाहे दुश्मन ही हो उसका मधुर वाणी और भोजन से सत्कार करना चाहिए। अतिथि हमारा भगवान होता है और हमें उनका आदर करना चाहिए। जिस घर में रसोई गंदी रहती है साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता वहां मंगल ग्रह के दोषों में वृद्धि होती है। अव्यवस्थित बिस्तर पर शयन करने वालों का जीवन भी अस्त-व्यस्त रहता है। उन पर कभी भी लक्ष्मी कृपा नहीं होती। जो लोग चेहरे की सुंदरता पर तो पूरा-पूरा ध्यान देते हैं लेकिन पैरों की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोगों से लक्ष्मी दूर रहती हैं। इधर-उधर थूकने की आदत है तो जल्दी उसे बदल लें अन्यथा लक्ष्मी के कोप का सामना करना पड़ सकता है। जिस घर में वृद्धजनों का अपमान होता है वहां अन्न और धन की सदा कमी रहती है।

खुल जाएगा किस्मत का ताला...

हम अपने बड़े-बुजुर्गों से कई बार उपाय सुनते हैं जिसे करने से लाभ मिलने का अनुभव मिलता है। ईश्वरीय कृपा व पुरुषार्थ के साथ ही कुछ उपाय किए जाएं तो सफलता मिलती है, ऐसा दावा पूर्वजों का रहा है। प्रस्तुत हैं कुछ उपाय। यदि आपको धन की परेशानी है, नौकरी में दिक्कत आ रही है, प्रमोशन नहीं हो रहा है या आप अच्छे करियर की तलाश में हैं तो किसी दुकान में जाकर किसी भी शुक्रवार को कोई भी एक स्टील का ताला खरीद लीजिए लेकिन ताला खरीदने वक्त न तो उस ताले को आप खुद खोलें और न ही दुकानदार को खोलने दें। ताले को जांचने के लिए भी न खोलें। उसी तरह से डिब्बी में बंद का बंद ताला दुकान से खरीद लें। इस ताले को आप शुक्रवार की रात अपने सोने के कमरे में रख दें। शनिवार सुबह उठकर नहा-धोकर ताले को बिना खोले किसी धार्मिक स्थान पर रख दें। ईश्वरीय प्रेरणा से जब कोई उस ताले को खोलेगा, आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। हालांकि उस व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होगा। यदि आप अपना मकान, दुकान या कोई अन्य प्रापर्टी बेचना चाहते हैं और वह बिक नहीं रही, तो बाजार से 86 साबुत बादाम ले आएं। सुबह नहा-धोकर, बिना कुछ खाए, दो बादाम लेकर मंदिर जाएं। दोनों बादाम मंदिर में शिवलिंग या शिवजी के आगे रख दीजिए। हाथ जोड़ कर भगवान से प्रापर्टी के बेचने की प्रार्थना कीजिए और उन दो बादामों में से एक बादाम वापस ले आएं। उस बादाम को लाकर घर में कहीं अलग रख दें। ऐसा आपको 43 दिन तक लगातार करना है। 43 दिन के बाद जो बादाम आपने घर में इकट्ठा किए हैं उन्हें बहते जल, नदी आदि में बहा दें। यदि 43 दिन से पहले ही आपका सौदा हो जाए तो भी उपाय को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

> मंत्र से विविध शारीरिक एवं मानसिक रोगों में लाभ मिलता है। यह बात अब विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि मनुष्य के शरीर के साथ-साथ यह समग्र सृष्टि ही वैदिक स्पंदनों से निर्मित है। शरीर में जब भी वायु-पित्त-कफ नामक त्रिदोषों में विषमता से विकार पैदा होता है तो मंत्र चिकित्सा द्वारा उसका सफलता पूर्वक उपचार किया जाना संभव है।

मंत्र का अर्थ है जिसका मनन करने से, जो हमारे तन-मन के कष्ट और रोग दूर कर दे। मंत्र एक ऐसे शब्दों का समूह है जिसके उच्चारण से हमारे शरीर के विभिन्न कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इससे जिन रोगों का इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं से संबंध होता है, वे ठीक हो जाते हैं। मंत्रों के उच्चारण में शब्दों का ऐसा सम्मिलन होता है कि इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर पड़ने वाला प्रभाव सकारात्मक और प्रभावशाली होता है। इसी प्रभाव से रोग दूर होते हैं और शरीर स्वस्थ होता है। मन की शांति और स्वास्थ्य के लिए मंत्र के सिवाय अन्य कोई औषधि है ही नहीं। मानसिक रोगों का एकमात्र सफल उपाय सिर्फ मंत्र-चिकित्सा है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है कि मननात त्रायते इति मंत्र अर्थात मनन करने से जो मन का त्राण कर दे, कष्ट निवारण कर दे, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्र विज्ञानानुसार मानव शरीर में एक और सुक्ष्म शरीर होता है, जिसे आज कंप्यूटर भाषा में मानव शरीर का सॉफ्टवेयर कहा जाता है। इसी सूक्ष्म शरीर से मानव शरीर का संचालन होता है। मृत्यु के समय यही सूक्ष्म शरीर निकल जाता है तो स्थूल शरीर के सारे क्रियाकलाप समाप्त हो जाते हैं। देह के सभी रोगों का मूल कारण इसी सूक्ष्म शरीर में विद्यमान होता है और यह कारण मंत्र के जाप से दूर किया जा सकता है या मंत्र सिद्ध जल अथवा मंत्र सिद्ध औषधि लेने से भी ठीक होता है। इस सूक्ष्म कारण के नष्ट होते ही वह रोग भी दूर हो जाता है जिसके कारण शरीर अस्वस्थ था। यही मंत्र-चिकित्सा का मूल रहस्य है और कारण सूक्ष्म होने से भौतिक धरातल पर वह प्रक्रिया देख नहीं पाते, इसी मंत्र चिकित्सा से ठीक होने वाले रोगों को लोग चमत्कार मान लेते हैं।

हनुमान चालीसा पाठ

अमेरिका के ओहियो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार कैंसरयुक्त फेफड़ों, आंत, मस्तिष्क, स्तन, त्वचा और फाइब्रो ब्लास्ट की लाइनिंग्स पर जब सामवेद के मंत्रों और हनुमान चालीसा के पाठ का प्रभाव परखा गया तो कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि में भारी गिरावट आई। इसके विपरीत तेज गति वाले पाश्चात्य और तेज ध्वनि वाले रॉक संगीत से कैंसर की कोशिकाओं में तेजी के साथ बढ़ोतरी हुई। मंत्र चिकित्सा के लगभग पचास रोगों के पांच हजार मरीजों पर किए गए क्लीनिकल परीक्षणों के अनुसार दमा, अस्थमा रोग में सत्तर प्रतिशत, स्त्री रोगों में 65 प्रतिशत, त्वचा एवं चिंता संबंधी रोगों में साठ प्रतिशत, उच्च रक्तदाब, हाइपरटेंशन से पीड़ितों में पचपन प्रतिशत, आर्थराइटिस में इक्यावन प्रतिशत, डिस्क संबंधी समस्याओं में इकतालीस प्रतिशत, आंखों के रोगों में इकतालीस प्रतिशत तथा एलर्जी की विविध अवस्थाओं में चालीस प्रतिशत औसत लाभ हुआ। निश्चित ही मंत्र चिकित्सा उन लोगों के लिए तो वरदान ही है जो पुराने और जीर्ण क्रॉनिक रोगों से ग्रस्त हैं।

रोगों से छुटकारा दिलाएंगे मंत्र...

कहा गया है कि जब भी कोई व्यक्ति गायत्री मंत्र का पाठ करता है तो अनेक प्रकार की संवेदनाएं इस मंत्र से होती हुई व्यक्ति के मस्तिष्क को प्रभावित करती हैं। जर्मन वैज्ञानिक कहते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति अपने मुंह से कुछ बोलता है तो उसके बोलने में आवाज का जो स्पंदन और कंपन होता है, वह 175 प्रकार का होता है। जब कोई कोयल पंचम स्वर में गाती है तो उसकी आवाज में 500 प्रकार का प्रकंपन होता है लेकिन जर्मन वैज्ञानिक यह भी कहते हैं कि दक्षिण भारत के विद्वानों से जब विधिपूर्वक गायत्री मंत्र का पाठ कराया गया, तो यंत्रों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से संपूर्ण स्पंदन के जो अनुभव हुए, वे 700 प्रकार के थे। जर्मन वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति पाठ नहीं भी करे, सिर्फ पाठ सुन भी ले तो भी उसके शरीर पर इसका प्रभाव पड़ता है। उन्होंने मनुष्य की आकृति का छोटा सा यंत्र बनाया और उस आकृति में जगह-जगह कुछ छोटी-छोटी लाइटें लगा दी गई। लाइट लगाने के बाद यंत्र के आगे लिख दिया कि यहां पर खड़ा होकर कोई आदमी किसी भी तरह की आवाजें निकालें तो उस आवाज के हिसाब से लाइटें मनुष्य की आकृति में जलती नजर आएंगी, लेकिन अगर किसी ने जाकर गायत्री मंत्र बोल दिया तो पांव से लेकर सिर तक सारी की सारी लाइटें एक साथ जलने लग जाती है। दुनियाभर के मंत्र और किसी भी प्रकार की आवाजें निकालने से यह सारी की सारी लाइटें नहीं जलतीं। एक गायत्री मंत्र बोलने से सब जलने लग जाती हैं क्योंकि इसके अंदर जो वाइब्रेशन है, वह अद्भुत है।

गायत्री मंत्र जाप

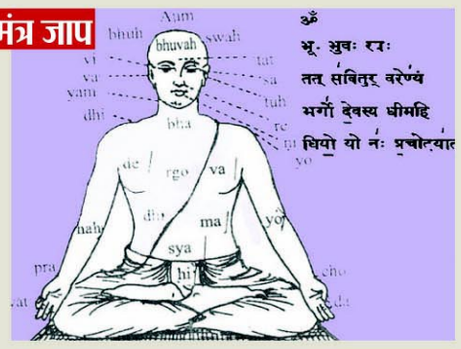

विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ

मंत्र चिकित्सा में हम अपने देव को एक विधि से ही पुकारते हैं जिससे हमारे शरीर के चक्र चैतन्य होते हैं चक्रों को चैतन्य करने से हम निरोग होते हैं। इस चिकित्सा में पवित्रता, गुरु आराधना, यज्ञ, उपवास, तीर्थ ये सारी क्रियाएं तन एवं मन को शक्ति प्रदान करती हैं। चरक जैसे महान आयुर्वेद के जनक ने अपने महान ग्रंथ चरक संहिता के चिकित्सा स्थान में बुखार यानी ज्वर की चिकित्सा के बारे में कहा है-''विष्णु रं स्तुवन्नामसहस्त्रेण ज्वरान् सर्वनपोहति।'' विष्णु सहस्त्र नाम के पाठ से ज्वर का नाश होता है रोगी के द्वारा न हो सके तो विद्वान धर्मनिष्ठ से पाठ कराना हितकर है।

शक्तिशाली वैदिक मंत्र

हमारे वैदिक मंत्र इतने शक्तिशाली व प्रभावी हैं कि रोगी को मृत्यु के मुख से निकाल सकते हैं। मंत्र विद्या हिंदू धर्म की महान खोज हैं। मंत्रों का प्रयोग विश्व में सभी सम्प्रदाय के लोग प्रारंभ कर चुके हैं। यह संसार जगत दो भागों में बंटा है एक स्थूल और दूसरा सूक्ष्म है। स्थूल हम उसे कहते हैं जो हम नेत्रों से देखते हैं जो स्थान भी घेरता है और उसका वजन भी होता है। स्थूल की शक्ति सीमित होती है। सूक्ष्म की शक्ति असीम होती है। ध्यान दें कि यह स्थूल शरीर सूक्ष्म के कारण ही चलता है, देखता है, बोलता है, भागता है जैसे ही इस शरीर से सूक्ष्म चला जाता है सारे क्रिया कलाप समाप्त हो जाते हैं। यह हजारों पर रौब गालिब करने वाला शरीर सड़ने लगता है। आदमी तो दूर यह एक चींटी का भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता। जैसे पानी से अधिक शक्ति उसके भाप में होती है। उस वाष्प से कितने बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलते हैं। इस पंच तत्व का सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश होता है और वह परम शक्तिशाली तत्व है और हमारे मंत्रों का आकाश तत्व से संबंध होता है, मंत्र आकाश तत्व से परम निकट संबंध रखते हैं शब्द या मंत्र का कार्य शरीर स्थित शक्ति केंद्रों को चैतन्य करना है। 'खं' बीज से लीवर के रोगी हैपेटाइटिस (बी) और ब्रोन्काइटिस के रोगी ठीक होते हैं। श्रीं, क्लीं, ह्रीं, हुं, फट् प्रत्येक को एकाक्षरी मंत्र कहा जाता है। एकाक्षरी मंत्र बहुत ही शक्तिशाली होते हैं। इनका प्रयोग कैसे किया जाए यह महत्वपूर्ण है। मंत्र का लघु (छोटा) होना महत्वपूर्ण है जैसे अणु कितना छोटा है और चमत्कार कितना है।

सूर्य मंत्र का जाप

महर्षि वाग्भट्टाचार्य ने कुष्ठ रोग के निदान की औषधि बताने के बाद कहा कि सूर्य की आराधना के साथ सूर्य मंत्र का जाप, व्रत, यज्ञ इसे शीघ्र ठीक कर सकता है। मंत्र का प्रयोग आस्था विश्वास के साथ साधक रोगी के सिर पर अपना दाहिना हाथ रख कर स्वास्थ्य लाभ हेतु कहता है।

''**अच्युतानंद गोविंद नामोच्चारणभेषजात।**
नश्यन्ति सकलारोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।''

हे! अच्युत, हे! अनन्त, हे! गोविंद नाम के उच्चारण से अनेक रोग नष्ट होते हैं मैं सत्य कहता हूं, मैं सत्य कहता हूं ऐसी क्रिया से रोग नाश करना होता है।

हीलिंग वाइब्रेशन

हमारे वेद मंत्र संस्कृत भाषा में हैं, विश्व की सभी भाषाओं में यह संस्कृत भाषा ही वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत के श्लोक और मंत्रों में अत्यधिक हीलिंग वाइब्रेशन है। इन मंत्रों के उच्चारण से जो कंपन प्रकट होता है वह मानव मस्तिष्क की क्रियाओं को स्लोडाऊन करने की अपार क्षमता रखता है। वैदिक/पौराणिक मंत्र ब्रेन वेव्स और पल्स रेट को कम कर सकते हैं। जब सभी औषधियां विफल हो जाती हैं सारे लौकिक उपाय हाथ खड़ा कर लेते हैं तब यह मंत्र ही है जो मरणासन्न को प्राणशक्ति प्रदान करता है। मंत्र की चिकित्सा असफल नहीं होती। यह तपस्या भक्ति साधना का प्रयोग होता है जो साधक देता है। मंत्र की ध्वनि स्थूल शरीर को प्रभावित करती है। तंत्र में एकाक्षर मंत्रों का निर्धारण किया गया है। देवनागरी लिपि के अनेक प्रभावी अक्षरों के ऊपर अनुस्वार (द) लगाकर एकाक्षरी बनाया है। हमारे ऋषियों ने जैसे 'ऐं' यह महासरस्वती का बीज मंत्र है यह मस्तिष्क को शक्ति देता है मंद बुद्धि और कोमा में गए रोगी भी इससे निरोग होते हैं।

किस बीमारी में कौनसा मंत्र?

कैंसर रोग: ओम नमः शिवाय शंभवे कर्केशाय नमो नमः। यह मंत्र किसी भी तरह के कैंसर रोग में लाभदायक होता है।

मस्तिष्क रोग: ओम उमा देवीभ्यां नमः। यह मंत्र मस्तिष्क संबंधी विभिन्न रोगों जैसे सिरदर्द, हिस्टीरिया, याददाश्त जाने आदि में लाभदायी माना जाता है।

आंखों के रोग: ओम शंखिनीभ्यां नमः। इस मंत्र से जातक को मोतियाबिंद सहित रतौंधी, नेत्र ज्योति कम होने आदि की परेशानी में लाभ मिलता है।

हृदय रोग: ओम नमः शिवाय संभवे व्योमेशाय नमः। हृदय संबंधी रोगों से अधिकांश लोग पीड़ित होते हैं। इसलिए अगर वे इस मंत्र का जप करें, तो उन्हें लाभ मिलता है।

कान संबंधी रोग: ओम ह्रां द्वार वासिनीभ्यां नमः। कर्ण विकारों को दूर करने में यह मंत्र आश्चर्यजनक भूमिका निभाता है।

पक्षाघात (लकवा) रोग: ओम नमः शिवाय शंभवे खगेशाय नमो नमः।

स्नायु रोग: ओम धं धर्नुधारिभ्यां नमः।

कफ संबंधी रोग: ओम पद्मावतीभ्यां नमः।

श्वास (दमा) रोग: ओम नमः शिवाय संभवे श्वासेशाय नमो नमः।

रात को देर से सोना कितना फायदेमंद

देर से सोने वालों के लिए आज तक सिर्फ बुरा ही माना जाता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। देर से सोने के अपने लाभ भी है। अगर आप जल्दी सोते हैं, तो जरा इन खूबियों पर गौर करिए।

अच्छा होता है आईक्यू लेवल

एक शोध के अनुसार जो लोग देर रात तक जागते हैं उनका आईक्यू लेवल अच्छा होता है। वो खुराफाती होते हैं और उनका दिमाग नए विचारों की प्रयोगशाला जैसा होता है। ये लोग जिज्ञासू और फुर्तीले भी होते हैं। शायद यही एक कारण है कि उल्लू एक बुद्धिमान पक्षी माना जाता है। फंडामेंटल वैज्ञानिक के अनुसार, रात में जागने वाले उल्लू में जल्द उठने वाले उल्लू की तुलना में बुद्धिमान होने की अधिक संभावना होती है।

बेहतर गृहस्थ जीवन

देर रात तक जागने वाले लोगों की सेक्स लाइफ भी बहुत अच्छीं होती है। ये अपने साथी से देर रात तक बातें करते हैं और ऐसे जोड़ों में एक दूसरे को समय न दे पाने की समस्या कभी उत्पन्न नहीं होती है।

कलात्मक होते हैं देर तक जागने वाले

रात में देर से सोने वाले लोग ज्यादा कलात्मक होते हैं। तब तक दिनभर की उधेड़बुन दिमाग से निकल चुकी होती हैं तो आपके दिमाग में अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं। नींद विशेषज्ञ के मुताबिक, देर रात तक जागने वाले ज्यादातर लोग अधिक बहिर्मुखी रचनात्मक प्रकार जैसे कवि, कलाकार, और इन्वेन्टर होते हैं।

बखूबी करते है हर काम

रात को देर से सोने वाले लोगों की पढ़ाई या काम आखिरी रात में होता है फिर भी बखूबी कर लेते हैं। डेडलाइन तो जैसे इनके लिए बच्चों का खेल होती है। एक अध्ययन के अनुसार, रात को देर तक जागने वाले अधिक उत्साहित महसूस करते हैं और शाम को ध्यान केंद्रित करने में ज्यादा सक्षम होते हैं।

अकेले वक्त बिताने का मौका

ऐसे लोगों को खुद के साथ अकेले वक्त बिताने का मौका मिलता है। जब आस-पास सब सो जाएंगे, तो आप अकेले जो चाहें, जैसे चाहें कर सकते हैं।

आज का काम आज करने की आदत

देर से सोने के कारण ये अपने दिन के सारे काम उसी दिन पूरे कर लेते हैं और कल पर कुछ नहीं छोड़ते। इनकी ये आदत ऐसे लोगों को अधिक भरोसेमंद बनाती है। लोग ऐसे लोगों पर भरोसा करते हैं और इन्हें अपने महत्वपूर्ण काम देते हैं।

ज्यादा नींद की जरूरत नहीं

बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के शोधकर्ताओं के अनुसार रात को देर से सोने वाले लोगों को जल्दी उठने वाले लोगों की तरह अच्छी तरह से काम करने के लिए ज्यादा नींद की जरूरत नहीं होती है।

कमर दर्द से राहत पाने के लिए करें पैरों की मसाज

अगर आप भी कमर दर्द से परेशान हैं और इससे आराम का ऐसा उपाय खोज रहे हैं जो प्रभावी भी हो और पेन किलर से छुटकारा भी मिले, तो पैरों की मसाज आपके लिए मददगार हो सकती है। कमर दर्द के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अधिकांशतः मांसपेशियों में खिंचाव और रीढ़ की हड्डी में दर्द के चलते कमर दर्द होता है। पैरों मे एक स्पाइन लाइन पर मसाज करने से कमर दर्द में राहत मिलती है।

पैरों मे मसाज

शरीर के ज्यादातर अंग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक दूसरे से जुड़ें ही होते है। इसलिए कमर दर्द मे आराम के लिए आप अपने पैरों की मसाज करें से आपके स्पाइन प्वांइट्स को आराम देकर कमरदर्द की समस्या को दूर कर देगा। पहली बार वालों के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है पर वे जरा से प्रयास से अपने पैरों के किनारो में स्पाइन प्वाइंट्स को ढूढे। अपने पैरों को क्रॉस करके बैठें और एक पैर को अपने हाथों मे लें। इनर फुट यानि एड़ी से अपने अंगूठे तक के भाग में स्पाइन प्वाइंट्स को तलाशे। आपको स्पाइन लाइन और शरीर के बाकी भाग आसानी से अलग अलग दिख जाएंगे। स्पाइन लाइन पर अपने हाथों के अंगूठे के मदद से हल्का दबाव बनायें। अगर आपकी कमर में दर्द है तो आपको आसानी से वो प्वाइंट मिल जाएगा। ऐया करते समय आपको दिखेगा कि इन प्वाइंट्स में दर्द और सूजन है। इनको हल्के हल्के से मसाज करने से आपके कमर के दर्द को आराम मिलेगा। साथ ही ये तनाव को भी दूर करता है।

कमरदर्द के दूर करने के अन्य तरीके

पैरों के नीचे तकिया लगाने से नींद तो अच्छी आएगी ही, साथ ही कमर दर्द से भी राहत मिलेगी। पैरों के नीचे तकिया लगाने से कमर पर कम दबाव पड़ेगा। एक्सपर्ट बताते हैं कि पीठ के बल सोते समय करीब 55 पौंड वजन रीढ़ की हड्डी पर रहता है। अगर घुटने के नीचे तकिया लगाया जाए, तो रीढ़ पर पड़ने वाला यह वजन आधा हो जाता है। कमर दर्द से बचने के लिए सही पोजिशन में बैठना भी जरूरी है। काम की दौरान सही मुद्रा में बैठने से रीढ़ की हड्डी को झुकने से बचाया जा सकता है।

खराब पोश्चर में बैठने से रीढ़ में अकड़न और खिंचाव आने का खतरा रहता है।अगर आप लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं, तो इससे रीढ़ की हड्डी में विकृति भी आ सकती है। इसके अलावा कंधे झुकाकर बैठने, चलने और एक पैर मोड़कर खड़े होने से बचें। मसाज वैसे तो सुरक्षित होती है, लेकिन आप गर्भवती हैं या कैंसर, ब्लड क्लॉट, फ्रैक्चर, खुला घाव या आर्थराइटिस है तो मसाज के बाद आपके लिए खतरा बढ़ सकता है। मसाज कराने से पहले भारी खाना न खाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**